संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 165
पृष्ठ 8
मंगलवार
04 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- एसिडिटी से तुरंत राहत पाने के लिए...

विचार- जैव विविधता बचाने को हो वन्य...

खेल- दुबई में भारत को हो रहा फायदा?

प्रधानमंत्री मोदी ने जैव विविधता की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया

पीएम मोदी ने गिर नेशनल पार्क में की जंगल सफारी

जूनागढ़, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने गृह राज्य गुजरात की तीन दिन की यात्रा पर है। गुजरात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर पहुंचे है। विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर नरेंद्र मोदी ने सोमवार की सुबह जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में शेर सफारी की है। बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की थी। यहां से आने के बाद नरेंद्र मोदी रात भर सासन में राज्य वन विभाग के गेस्ट हाउस में रुके है। यहीं से पीएम मोदी शेर सफारी करने गए है। इस शेर सफारी के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ कुछ मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विश्व

वन्यजीव दिवस के अवसर पर देशवासियों से पृथ्वी पर मौजूद अतुलनीय जैव विविधता की रक्षा और उसके संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। एक एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, आज, #विश्ववन्यजीवदिवस पर, आइए हम अपने ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। हर प्रजाति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है – आइए आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके भविष्य की रक्षा करें! हम वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा में भारत के योगदान पर भी गर्व करते हैं। 20 दिसंबर 2013 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 68वें सत्र में विश्व के वन्य जीव–जंतुओं और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा उनके सम्मान में 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। गिर वन्यजीव अभ्यारण्य के मुख्यालय सासन गिर में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। बैठक के बाद मोदी सासन में कुछ महिला वन कर्मचारियों से भी बातचीत करेंगे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार ने प्रोजेक्ट लॉयन के लिए 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है, जिसका उद्देश्य एशियाई शेरों का संरक्षण करना है, जिनका एकमात्र प्राकृतिक आवास गुजरात है। वर्तमान में, एशियाई शेर गुजरात के 9 जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं। राष्ट्रीय परियोजना के एक भाग के रूप में, जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर भूमि पर राष्ट्रीय वन्यजीव रेफरल केंद्र की स्थापना की जा रही है। इसके अतिरिक्त, वन्यजीवों पर नज़र रखने के लिए एक उच्च तकनीक निगरानी केंद्र और संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने के लिए सासन में एक अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित किया गया है। रविवार को, पीएम मोदी ने रिलायंस जामनगर रिफाइनरी परिसर में पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र वंतारा का भी दौरा किया, जो दुर्व्यवहार और शोषण से बचाए गए जानवरों को अभयारण्य, पुनर्वास और चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है।

दिव्यांगता न्यायिक सेवाओं से वंचित करने का आधार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि केवल दिव्यांगता के आधार पर किसी भी अभ्यर्थी (संबंधित पद के आवेदक) को न्यायिक सेवाओं से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन अभ्यार्थियों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखने वाले मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम की शर्तों के उस भाग को निरस्त करते हुए कहा कि वे (दृष्टिहीन और दृष्टिबाधित) भारत की न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति के आवेदन के पात्र हैं। पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति महादेवन ने कहा, "मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम 1994 के नियम 6ए को निरस्त किया जाता है, क्योंकि यह दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन उम्मीदवारों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखता है।" पीठ ने कई पहलुओं पर गौर करने के बाद कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार उनकी (दिव्यांग व्यक्तियों की) पात्रता का आकलन करते समय उन्हें उचित सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट तौर कहा कि दृष्टिबाधित और कम दृष्टि वाले अभ्यर्थी न्यायिक सेवा के पदों के लिए चयन में भाग लेने के हकदार होंगे। पीठ ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों को न्यायिक सेवा की भर्ती में किसी भी तरह के भेदभाव का सामना नहीं करना चाहिए और राज्य को समावेशी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें सकारात्मक कार्रवाई प्रदान करनी चाहिए। पीठ ने फैसले में आगे कहा कि वह संवैधानिक ढांचे और संस्थागत अक्षमता ढांचे से निपटता है और इस मामले को सबसे महत्वपूर्ण मानता है। शीर्ष अदालत के समक्ष एक दृष्टिबाधित अभ्यर्थी की मां ने पिछले साल मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती और सेवा शर्तें) नियम में शामिल उक्त नियम के खिलाफ पत्र याचिका दी थी, जिस पर अदालत ने स्वतरू संज्ञान मामला दर्ज किया था। शीर्ष अदालत ने सुनवाई पूरी होने के बाद तीन दिसंबर, 2024 को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

'तुरंत बच्चे पैदा करो', परिसीमन पर चर्चाओं के बीच एमके स्टालिन की नवविवाहितों से अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने लोगों से तुरंत बच्चे पैदा करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि राज्य के सफल परिवार नियोजन उपायों ने अब उन्हें नुकसान में डाल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जनसंख्या–आधारित परिसीमन तमिलनाडु के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को प्रभावित कर सकता है और निवासियों से उनकी अपील पर ध्यान देने का आह्वान किया। बदलते जनसांख्यिकीय परिदृश्य पर विचार करते हुए उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि पहले, हम कहते थे, अपना समय लें और बच्चा पैदा करें। लेकिन अब स्थिति बदल गई है और हमें अब यह कहना चाहिए। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक

स्टालिन ने अपनी चिंताओं को जनसंख्या जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन लागू होने की संभावना से जोड़ा। उन्होंने कहा, हमने परिवार नियोजन को सफलतापूर्वक लागू किया और अब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। राज्य पर संभावित प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए, स्टालिन ने अपना रुख मजबूत करते हुए कहा, ''इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि अपना समय लें, लेकिन तुरंत अपना बच्चा पैदा करें।'' परिसीमन के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए, स्टालिन ने 5 मार्च को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मुख्यमंत्री चाहते थे कि सभी लोग एक साथ आएं और तमिलनाडु के भविष्य पर विचार करें, उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है जहां इसे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए विरोध करना होगा। उन्होंने विपक्षी दलों से बैठक में शामिल होने का अनुरोध करते हुए कहा, श्श्मैं उनसे बैठक में शामिल होने का आग्रह करता हूं। कृपया अहंकार को किनारे रखें। इस बारे में मत सोचिए कि आपको मेरी पुकार क्यों सुननी चाहिए। स्टालिन ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि यह तमिलनाडु के लिए एक गंभीर मुद्दा है।

रश्मिका मंदाना को सबक सिखाने की जरूरत,एक्ट्रेस पर भड़के कांग्रेस विधायक

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा गनीगा ने कथित तौर पर कन्नड़ भाषा और स्थानीय फिल्म उद्योग के प्रति उपेक्षा दिखाने के लिए अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने अपना असंतोष व्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि उसे उसके व्यवहार के लिए सबक सिखाया जाना चाहिए। कर्नाटक में मांड्या निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली गनीगा ने अभिनेता के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सवाल किया कि क्या उन्हें उस उद्योग की उपेक्षा करने के लिए सबक सिखाया जाना चाहिए जहां उन्होंने पहली बार अपना करियर शुरू किया था। कांग्रेस नेता ने कहा कि कर्नाटक में कन्नड़

फिल्म किरिक पार्टी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली रश्मिका मंदाना ने पिछले साल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल होने से इनकार कर दिया था जब हमने उन्हें आमंत्रित किया था। विधायक के मुताबिक मंधाना ने कहा था कि मेरा घर हैदराबाद में है, मुझे नहीं पता कि कर्नाटक कहां है और मेरे पास समय नहीं है। मैं नही आ सकती। हमारे एक विधायक मित्र उन्हें आमंत्रित करने के लिए 10–12 बार उनके घर गए, लेकिन उन्होंने यहां उद्योग में बड़े होने के बावजूद कन्नड़ को अस्वीकार कर दिया और यहां तक कि उसकी उपेक्षा भी की। क्या हमें उन्हें सबक नहीं सिखाना चाहिए?

सैनिकों के कल्याण के लिए खुल कर योगदान दें : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए पूरे दिल से योगदान देने का आह्वान करते हुए इसे प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य बताया है। श्री सिंह ने सोमवार को यहां सशस्त्र सेना झंडा दिवस कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सैनिक हमेशा कठिन परिस्थितियों में सीमाओं पर दृढ़, सतर्क और तैयार रहते हैं ताकि देश को सभी प्रकार के खतरों से साहस और तत्परता से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और सैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यह राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह आगे आए और हर संभव तरीके से उनका समर्थन करे। श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि सीएसआर 2 प्रतिशत योगदान के बारे में नहीं है यह बहादुर सैनिकों और उनके आश्रितों के

साथ दिल से दिल का जुड़ाव है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुखों से कहा, " आपको इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि कल जब आपकी वास्तविक बैलेंस शीट तैयार हो, तो उसमें देनदारियों की तुलना में संतुष्टि और खुशी की संपत्ति अधिक हो।" रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि सभी हितधारकों के ठोस प्रयासों से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ भारत 2027 तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना लेगा। उन्होंने सैनिक कल्याण के लिए उदार योगदान करने वाले कॉर्पोरेट घरानों की सराहना की और इस अवसर पर शीर्ष सीएसआर दाताओं को सम्मानित किया। रक्षा मंत्रालय का भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग युद्ध विधवाओं, शहीद सैनिकों के आश्रितों और विकलांगों सहित पूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए काम कर रहा है। इसके तहत व्यक्तिगत जरूरतों जैसे कि गरीबी अनुदान, बच्चों की शिक्षा अनुदान, अंतिम संस्कार अनुदान, चिकित्सा अनुदान और अनाथ/विकलांग बच्चों के लिए अनुदान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

फ़रीदाबाद से संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, निशाने पर था राम मंदिर!

फ़रीदाबाद, एजेंसी। गुजरात एटीएस ने केंद्रीय एजेंसियों और फरीदाबाद एसटीएफ के सहयोग से हरियाणा के फरीदाबाद से एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। बलों ने उसके कब्जे से दो हथगोले और कुछ कट्टरपंथी सामग्री जब्त की। सूत्रों के मुताबिक राम मंदिर उनकी टारगेट लिस्ट में था। संदिग्ध की पहचान 19 वर्षीय अब्दुल रहमान के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। जानकारी के मुताबिक, संदिग्ध आतंकी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया और ग्रेनेड बरामद होने के बाद उसे फरीदाबाद में फैला दिया गया। गुजरात एटीएस उसे अपने साथ गुजरात ले गई थी। सूत्रों के मुताबिक, गुजरात एटीएस का ऑपरेशन अभी भी जारी है। गुजरात एटीएस अतिरिक्त जानकारी के लिए रहमान से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में जन्म भूमि पर राम मंदिर का अभिषेक किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने प्राण–प्रतिष्ठा समारोह किया. तब से, मंदिर में अभूतपूर्व भीड़ देखी गई है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने क्रिकेटर रोहित शर्मा पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, पार्टी ने फटकारा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने अपनी प्रवक्ता शमा मोहम्मद को भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सोमवार को फटकार लगाई और उन्हें अपना संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट हटाने तथा भविष्य में सावधानी बरतने का निर्देश दिया। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि शमा की टिप्पणी कांग्रेस का मत नहीं है। शमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रविवार देर रात पोस्ट किया

था जिसे उन्होंने अब हटा दिया है। उनके इस पोस्ट पर भाजपा नेताओं सहित कई लोगों ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई जब मौजूदा चौंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम लगातार विजय हासिल करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। कांग्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी के बारे में शमामोहम्मद की टिप्पणी पार्टी की स्थिति को नहीं दर्शाती है। शमा ने अपने, अब हटा दिए गए पोस्ट में कहा था कि शर्मा एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्होंने यह भी कहा था, उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! ... और निश्चित रूप से भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान। खेड़ा ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने क्रिकेट के एक दिग्गज के बारे में कुछ टिप्पणियां कीं जो पार्टी की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें (शमा को) 'एक्स' से संबंधित पोस्ट हटाने के लिए कहा गया है और भविष्य में अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

रेखा गुप्ता ने दिल्ली बजट पर लोगों से मांगे सुझाव

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि आने वाला दिल्ली का बजट जनता का बजट होगा, जिसमें जनता की

आकांक्षाओं की पूर्ति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए समाज के सभी वर्गों के सुझावों को शामिल करेगी। श्रीमती गुप्ता ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि दिल्ली बजट पर कोई भी व्यक्ति अपना सुझाव दे सकता है। इसके लिए एक ई मेल viksitdelhibudget-25/delhi.gov.in और एक व्हाट्सऐप नंबर 9999962025 जारी किया है। इसमें दिल्ली का कोई व्यक्ति सुझाव दे सकता है। उन्होंने कहा कि पांच मार्च को महिला संगठनों को आमंत्रित किया है, ताकि वह अपना सुझाव दे सके। इसी दिन शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को भी सुझाव के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा छह मार्च को व्यापारिक संगठन के लोगों से सुझाव आमंत्रित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली का बजट 24 मार्च से 26 मार्च के बीच पेश करने की तैयारी कर रहे हैं।

भतीजे आकाश आनंद के खिलाफ मायावती का सबसे बड़ा एक्शन

अब बसपा से किया निष्कासित

लखनऊ, एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए पार्टी की सदस्यता समाप्त करते हुए अपने भतीजे आकाश आनंद को बसपा से बाहर कर दिया। उन्होंने एक्स हैंडल लेते हुए कहा कि परमपूज्य बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के स्वाभिमान और स्वाभिमान आंदोलन के हित में और पूज्य कांशीराम जी की अनुशासन परंपरा का पालन करते हुए आकाश आनंद को उनके ससुर की तरह पार्टी और आंदोलन के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है। मायावती ने एक्स पर लिखा कि बीएसपी की आल–इण्डिया की बैठक में कल आकाश आनन्द को

पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी। लेकिन इसके विपरीत श्री आकाश ने जो अपनी लम्बी–चौड़ी प्रतिक्रिया दी है वह उसके पछतावे व राजनीतिक मैच्युरिटी का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर–मिशनरी है, जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ दण्डित भी करती रही हूँ। इसके बाद उन्होंने कहा कि अतः परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म–सम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के हित में तथा मान्यवर कांशीराम जी की अनुशासन की परम्परा को निभाते हुए आकाश आनन्द को, उनके ससुर की तरह, पार्टी व मूवमेन्ट के हित, में पार्टी से निष्कासित किया जाता है। बसपा के सभी पार्टी पदों से हटाए जाने के बाद आकाश आनंद ने सोमवार को कहा कि वह निडर बने हुए हैं और उन्हें बहुजन आंदोलन के आदर्शों से ताकत मिली है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष कोई करियर नहीं बल्कि हाशिए पर रहने वाले समुदायों के आत्मसम्मान और आत्मसम्मान की लड़ाई है।

गंगा किनारे बसेरा, 15 नलकूप, फिर भी हजारों घरों को नहीं मिलता पर्याप्त पानी

प्रयागराज। शिवकुटी और गोविंदपुर में एक दर्जन से अधिक नलकूप होने के बावजूद तटीय मोहल्लों (अंतिम छोर) के घरों में सुबह–शाम दो घंटे भी पानी नहीं मिलता। दर्जनों परिवारों के लिए हैंडपंप ही विकल्प बन गया है। जलापूर्ति बंद होते ही लोग हैंडपंप पर पहुंचने लगते हैं। गर्मी के दिनों में तो लगभग आधा दर्जन मोहल्लों में पानी का संकट विकराल हो जाता है। ऐसे में नलकूप खराब हो जाए तो प्रभावित मोहल्लों के लोग गंगा स्नान करते हैं। पीने और अन्य कामों के लिए पानी खरीदना पड़ता है।

क्षेत्र में पानी का संकट दूर करने के लिए चार साल पहले गोविंदपुर पीडीए आवास योजना में भूमिगत जलाशय का निर्माण किया गया। जलाशय तैयार होने के बाद भी क्षेत्र के हजारों परिवारों को जरूरत का पानी मिलने के इंतजार में चार साल बीत गए। हजारों घरों को पानी के संकट से राहत देने के लिए बनाया गया जलाशय आज भी सूखा है। जल निगम ने जलाशय का ढांचा खड़ा कर दिया, लेकिन इसे नलकूप और सप्लाई पाइप से नहीं जोड़ा गया।

अखबार की टीम शनिवार को क्षेत्र में पानी संकट की जानकारी लेने पहुंची। क्षेत्र के लोगों ने समस्या पर अपनी पीड़ा व्यक्त की। जलाशय से आपूर्ति शुरू करने के लिए पार्षद और क्षेत्र के लोग अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। अधिकारियों से सभी को आश्वासन मिल रहा है। प्रतिदिन घरों में पानी संकट से जूझ रही महिलाओं ने अपना दर्द बयां किया। सभी का एक सवाल था, करोड़ों रुपये खर्च कर जलाशय बनाया गया तो इसे चालू करने में कौन सी अड़चन है।

साढ़े नौ करोड़ में बनाया गया भूमिगत जलाशय

जल निगम के द्वितीय खंड ने चार साल पहले साढ़े नौ करोड़ 49 लाख 36 हजार रुपये खर्च कर अमृत योजना–फेज 2 के तहत भूमिगत जलाशय

का निर्माण किया। जल निगम ने 15 अगस्त 2019 में इसका निर्माण शुरू किया था। जलाशय की क्षमता तीन लाख 70 हजार किलो लीटर पानी स्टोर करने की है। जलाशय के साथ इसमें दो ट्रांसफॉर्मर लगाए गए। घरों तक पानी पहुंचाने के लिए 10–10 हॉर्स पॉवर के तीन पंप लगाए गए हैं। पंपों के संचालन के लिए अलग रूम है। जलाशय ओवरफ्लो होने पर पानी निकासी के लिए मोटा पाइप भी लगा है।

टूट गया गेट, अंदर गंदगी का अंबार

गोविंदपुर स्थित प्रयागराज विकास प्राधिकरण की आवासीय योजना में चार साल पहले बनाए गए भूमिगत जलाशय को लावारिस छोड़ दिया गया है। जलाशय का गेट टूट गया है। महाकुम्भ में पूरा शहर चमकाया गया, लेकिन जलाशय परिसर की सफाई नहीं हुई। इसकी चौहद्दी के अंदर गंदगी का अंबार है। परिसर के दोनों ट्रांसफॉर्मर पर भी गंदगी की भरमार है। पंप चलाने के लिए स्टार्टर रूम खुला रहता है।

पार्क में बनाया गया है जलाशय

गोविंदपुर आवास योजना में जिस स्थान पर भूमिगत जलाशय बनाया गया है, वहां पार्क था। आवास योजना के लोग पार्क में टहलते और बच्चे खेलते थे। जलाशय बनने के बाद पार्क का वजूद समाप्त हो गया। शिवकुटी के पार्षद कमलेश तिवारी बताते हैं कि पहले शिवकुटी में जलाशय बनाने की योजना थी। शिवकुटी में जमीन नहीं मिली तो आवास योजना के पार्क में जलाशय बनाने का निर्णय लिया गया।

क्षेत्र की आबादी – दो लाख से अधिक

शिवकुटी और गोवंदपुर में नलकूप – 15

इन मोहल्लों में है पानी का संकट

महावीरपुरी, भुलई का पूरा, शिवकुटी कोयला–काड़ी की गली, सीताराम धाम, चिल्ला मलिन बस्ती

चार साल से जलाशय बना हुआ है। लोगों के घरों तक पानी की सप्लाई ठीक से नहीं हो पा रहा है। विभाग को पत्र भी लिखा गया, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

सरकार ने शुद्ध जल पहुंचाने के लिए पैसा खर्च किया। अब गर्मी शुरू हो गई है। इस साल भी बूंद–बूंद पानी के लिए तरसने को मजबूर होना पड़ेगा।

जब पाइप लाइन बिछा रहे थे तो बहुत खुशी हुई कि जरूरत का पानी मिलेगा। काम पूरा होने पर भी यह सपना पूरा ना हो सका। आज भी हैंडपंप का पानी पीने को विवश हैं।

क्षेत्र में पानी की समस्या बहुत पुरानी है। जलापूर्ति बढ़ाने की मांग करते–करते थक गए। हैंडपंपों से पानी लाकर काम चलाते हैं। एक हैंडपंप गर्मी से पहले खराब हो गया।

कई साल से पानी की समस्या बनी हुई है। नलकूप खराब हो जाए तो मोहल्ले में टैंकर से काम चलाना पड़ता है। किनारे के घरों में तो कभी–कभी पानी मिलता ही नहीं है।

पानी के लिए यहां–वहां भटकना पड़ता है। कई साल से यही समस्या बनी हुई है। सप्लाई का पानी आता है तो प्रेशर न के बराबर रहता है। ऐसे में हैंडपंप ही सहारा बनता है।

घर के काम–काज के लिए हैंडपंप और टैंकर से भरकर पानी लाते हैं। पीने के लिए पानी खरीद कर लाना पड़ता है। घर तक सप्लाई नहीं मिलने से परेशानी होती है।

पानी की सप्लाई केवल 15 से 20 मिनट होती है। ऊंचाई पर होने से पानी घर तक ठीक से नहीं पहुंच पाता है। मोटर लगाकर किसी तरह पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है।

घर से दूर जाकर पानी लाना पड़ता है। हैंडपंप में जंग लग चुका है। पानी की बोतल महंगी पड़ती है। टंकी चालू हो जाती तो पानी का संकट दूर हो जाता।

कनेक्शन भी ले लिया, पाइप न जुड़ने से सप्लाई नहीं मिल पा रही है। एक किलोमीटर दूर पुरानी टंकी से पानी भरकर लाना पड़ता है। कनेक्शन ही दे दें।

पानी बहुत गंदा आता है। पानी खरीदने के लिए इतने पैसे नहीं हैं। घर से दूर बनी टंकी से पानी लाकर काम चलाते हैं। पानी की समस्या दूर हो जाए अच्छा रहेगा।

जिस जगह काम करने जाती हूं वहीं से पानी भरकर लाना पड़ता है। कई दिन बगैर नहाए भी रहना पड़ता है। पीने के पानी के लिए बहुत परेशानी झेलनी पड़ रही है।

घर तक पानी की सप्लाई नहीं मिल पा रही है। काफी दूर जाकर पानी भरकर लाते हैं। बच्चों को भी वहीं पर ले जाकर नहलाना धुलाना पड़ता है।

पानी की समस्या बहुत दिनों से बनी हुई है। जिम्मेदार भी समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। घर से दूर लगे हैंडपंप से पानी भरकर लाना पड़ता है। हैंडपंप खराब होने पर बहुत परेशानी होती है।

मोहल्ले में कोरोना के पहले से ही पानी सप्लाई की समस्या बनी हुई है। सप्लाई का पानी घरों तक नहीं पहुंचता। जिम्मेदार सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंचने से चिल्ला, मलिन बस्ती में पानी की विकट समस्या है। समस्या के प्रति पत्र के जरिए जल निगम के मुख्य अभियंता, नगर आयुक्त, नगर निगम, महाप्रबंधक जलकल को अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक कोई हल नहीं हो सका। अधिकारी सिर्फ आशवासन दे रहे हैं। आश्वासन सुनते–सुनते दो साल बीत गया।

— कमलेश तिवारी, पार्षद, शिवकुटी

गोविंदपुर आवास योजना का भूमिगत जलाशय चालू करने की लगातार मांग हो रही है। जलाशय को लेकर जल निगम के परियोजना प्रबंधक से बात हुई। महाकुम्भ के कारण जलाशय को चालू करने पर आगे का काम नहीं हो सका है। जलाशय को नलकूप और सप्लाई पाइप से जोड़ना है। जल निगम के परियोजना प्रबंधक से जलाशय के क्रियान्वयन को लेकर फिर बात करेंगे।

— कुमार गौरव, महाप्रबंधक, नगर निगम जलकल प्रयागराज

क्षेत्र में नए नलकूपों का निर्माण हो।

पुराने नलकूपों को रिबोर किया जाए।

घरों में गंदे पानी की आपूर्ति से निजात मिले।

नलकूप खराब होते ही तुरंत मरम्मत हो।

नलकूपों की बिजली सप्लाई दुरुस्त रखें।

11 संस्कृत विद्यालयों के जीर्णोद्धार के लिए 1.10 करोड़ जारी

प्रयागराज। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत प्रदेश के 11 संस्कृत विद्यालयों के जीर्णोद्धार के लिए 1.10 करोड़ रुपये जारी हुए हैं। शासन के विशेष सचिव आलोक कुमार की ओर से जारी आदेश में जिन विद्यालयों को शामिल किया गया है उनमें वाराणसी के सर्वाधिक पांच विद्यालय हैं। विभिन्न कार्यों के लिए कुल 2.91 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं जिनमें से 40 प्रतिशत राशि जारी हुई है।

शिक्षा निदेशालय में उपनिदेशक संस्कृत रामाज्ञा कुमार ने बताया कि श्री भगवान विष्णु स्वामी सतुआ बाबा संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़वासी टोला वाराणसी में हॉल, कक्षा–कक्ष, बाथरूम, शौचालय, सीढ़ी, विद्युतीकरण और टरमाईट ट्रीटमेंट के लिए 25 लाख, श्री रुद्र अध्यात्म संस्कृत विद्यालय भायट भोपापुर वाराणसी में कक्षा–कक्ष, शौचालय एवं बारामदा, रिपेयरिंग एवं रंगाई–पुताई का काम, कक्षा–कक्ष में टायलीकरण के लिए 25 लाख, श्री सरस्वती संस्कृत उच्चतर माध्यमिक गुरुवट राजापुर चोलापुर वाराणसी में दो स्टाफ रूम, बरामदा, दो क्लास रूम, टरमाईट ट्रीटमेंट व विद्युतिकरण के लिए 25 लाख, श्री अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम संस्कृत माध्यमिक विद्यालय शिवपुर वाराणसी में विद्युतिकरण, छह कक्षा–कक्ष, सीढ़ी व बरामदा निर्माण के लिए 50 लाख जबकि श्री आदर्श शंकर संस्कृत विद्यालय मरुई वाराणसी में तीन कक्षा–कक्ष, एक प्रधानाचार्य कक्ष, कार्यालय कक्ष, शौचालय ब्लॉक और बरामदा के लिए 25 लाख रुपये मिला है।

आईजीआरएस की शिकायतों का कराएं निस्तारण

प्रयागराज। ऑनलाइन पोर्टल पर आई शिकायतों के निस्तारण की पूरी रिपोर्ट मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने मांगी है। उन्होंने अफसरों से पिछले डेढ़ महीने का डेटा देने के लिए कहा है। प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान शिकायत निस्तारण में तमाम विभाग पिछड़ गए हैं। अधिकारी ने सभी विभागों को एक नोडल अफसर तैनात कर सभी शिकायतों का निस्तारण तत्काल कर रिपोर्ट देने के लिए कहा है। वहीं मंडल के अन्य जिलों प्रतापगढ़, फतेहपुर और कौशाम्बी के अफसरों को डेढ़ महीने में किए गए निस्तारण की रिपोर्ट मंगलवार शाम तक प्रस्तुत करने के लिए कहा है। अधिकारी ने निर्देश दिया कि निस्तारण गुणवत्ता के साथ किया जाए। साथ ही विभागाध्यक्ष खुद शिकायतकर्ता से फीडबैक लें।

15 से अधिक आयु के असाक्षरों की परीक्षा 23 को

प्रयागराज। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत वित्तीय वर्ष 2024–25 में चिन्हित 15 से अधिक आयु के असाक्षरों की मूल्यांकन परीक्षा 23 मार्च को कराई जाएगी। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण लखनऊ के निदेशक और साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा के सचिव शम्भू भान सिंह ने बागपत, देवरिया, फर्रुखाबाद, गोरखपुर, हमीरपुर, अमरोहा, कानपुर नगर, कुशीनगर एवं महाराजगंज को छोड़कर अन्य सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। निदेशक ने भारत सरकार की ओर से दिए गए निर्देशों के क्रम में प्राथमिकता के आधार पर 23 मार्च को सुबह दस से पांच बजे तक होने वाली परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले असाक्षरों की सूचना मांगी है।

बिजली चोरी नहीं पकड़ी तो कर्मचारियों की होगी छंटनी

प्रयागराज। विद्युत नगरीय वितरण उपखंड करेली में बिजली चोरी रोकने में नाकाम रहने वाले कर्मचारियों पर गाज गिर सकती है। विभाग ने आदेश जारी किया है कि अगर कर्मचारी बिजली चोरी पकड़ने और राजस्व वसूली में लापरवाही बरतते हैं

तो उनकी नौकरी पर खतरा मंडरा सकता है। उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह कटारिया की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि लगातार निर्देश के बावजूद अगर कर्मचारी चोरी रोकने का प्रयास नहीं करते तो उनकी छंटनी की जाएगी। खासतौर पर 45 वर्ष की आयु पार कर चुके कर्मचारियों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी, और बार–बार लापरवाही करने वालों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जा सकती है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी क्षेत्र में बिजली चोरी के मामलों को नजरअंदाज करेंगे या सक्रियता नहीं दिखाएंगे, उन्हें सीधे तौर पर जवाबदेह ठहराया जाएगा। बता दें कि पिछले दो महीने में करेली इलाके में 300 से अधिक बिजली चोरी के मामले पकड़े गए हैं।

औषधीय गुणों का खजाना है बोगनवेलिया का पुष्प

प्रयागराज। बोगनवेलिया का पुष्प एक अद्वितीय औषधीय पौधा है, जिसमें कई औषधीय गुण हैं। इस पौधे की एक विशेषता यह है कि इसमें धूल और रासायनिक कणों को सोखने की अद्वितीय क्षमता है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. केएन उत्तम के निर्देशन में शोध छात्रा छवि बरन और अराधना त्रिपाठी ने इस पौधे के गुणों पर एक महत्वपूर्ण शोध किया है।

प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले सरकारी डॉक्टरों पर त्वरित कार्रवाई का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजकीय मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पतालों के डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चल रही अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कार्रवाई की स्थिति की जानकारी मांगी है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने डॉ अरविंद गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट के निर्देश पर प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले सरकारी डॉक्टरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की

गई है। इस मामले में प्रदेश के 37 डीएम ने रिपोर्ट दी है, सरकार उसका परीक्षण कर रही है। ऐसे में कुछ समय दिया जाए ताकि कृत कार्रवाई की जानकारी दी जा सके। कोर्ट ने कहा कि हलफनामे में कहा गया है कि कार्रवाई की जा रही है लेकिन कार्रवाई किस स्थिति में है और कितने डॉक्टरों पर ऐक्शन लिया गया है, इसका कोई जिक्र नहीं है। कोर्ट ने कहा कि कार्रवाई की जाए ताकि प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले सरकारी डॉक्टरों को एक संदेश जाए और वे प्राइवेट प्रैक्टिस करने से बचें। इसलिए त्वरित कार्रवाई की जाए और कृत कार्रवाई की जानकारी दी जाए।

कोर्ट ने सरकार से कहा था कि जब सरकारी डॉक्टरों के प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक है तो वे प्राइवेट अस्पतालों, नर्सिंग होम में प्रैक्टिस कैसे कर रहे हैं।

यौन उत्पीड़न की शिकार पीड़िता का गर्भ समाप्त करने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न की शिकार युवती के अनचाहे गर्भ को तीन दिन में समाप्त कर करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कानपुर नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पीड़िता के भ्रूण के ऊतक और रक्त को साक्ष्य के रूप में संरक्षित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति दोनदी रमेश की कोर्ट ने दिया है। याची के अधिवक्ता ने बहस की कि पीड़िता यौन उत्पीड़न का शिकार हुई जिसकी वजह से गर्भवती है। एफआईआर दर्ज कराई गई है। पीड़िता गर्भ को समाप्त करवाना चाहती है। कोर्ट ने कानपुर नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मेडिकल बोर्ड गठित कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया।

बीपीए फाउंडेशन एवं इंडिया नेटबुक्स साहित्यकार सम्मानोत्सव–2025 में कानपुर की डॉ.सीमा वर्णिका को मिला साहित्य रत्न सम्मान

कानपुर। एक मार्च को नोएडा मयूर विहार फेज–1 स्थित होटल क्राउन प्लाजा में डॉ. संजीव तथा इंडिया नेटबुक्स टीम के संयोजन में आयोजित एक भव्य समारोह में कानपुर की डॉ

सीमा वर्णिका को साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार चित्रा मुद्‌गल जी, लक्ष्मी शंकर बाजपेयी जी, ममता कालिया जी तथा उत्तर प्रदेश संस्थान की अमिता दुबे जी आदि के साथ जाने माने साहित्यकारों की उपस्थिति रही। कानपुर की कुसुम सिंह अविचल जी को भी सम्मानित किया गया।

यात्रियों की सहूलियत और सुविधा के लिए 'स्वरेल'

प्रयागराज। ट्रेन से सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे अक्सर अभिनव प्रयोग करता रहा है। इसी के तहत अब रेलवे की कई सुविधाएं एक ही एप पर मिलेगी। विभिन्न सेवाओं के लिए अलग–अलग एप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। भारतीय रेलवे नें ,ऐप्स (स्वरेल) नाम से नया सुपर एप लॉन्च किया है, जिसमें यात्रियों को टिकट बुकिंग, ट्रेन लोकेशन ट्रैकिंग, पीएनआर पूछताछ, आईआरसीटीसी सेवाएं, खानपान ऑर्डरिंग, रेल मदद, माल ढुलाई और शिकायत निवारण जैसी सुविधाएं एक ही जगह मिलेंगी।

उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि फिलहाल स्वरेल का बीटा वर्जन जारी किया गया है, जिसे उपयोगकर्ताओं के फीडबैक के आधार पर और बेहतर बनाया जाएगा। यह एप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे लिंक के जरिए डाउनलोड किया जा सकता है। स्वरेल सुपर एप को सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम (सीआरआईएस) ने विकसित किया है। इस एप से यात्री आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट बुक कर सकते हैं। इसके अलावा पार्सल व मालभाड़े की जानकारी, ट्रेन व पीएनआर स्टेटस, ट्रेनों में खाना ऑर्डर कर सकते हैं। शिकायत के लिए 'रेल मदद से भी संपर्क कर सकते हैं। इस एप का उद्देश्य रेलवे से जुड़ी सभी डिजिटल सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराना है। अभी तक रेलवे की हर सुविधा के लिए अलग–अलग मोबाइल एप डाउनलोड करना पड़ता था।

संगमनगरी में जल निकासी का मास्टर प्लान तैयार करेगा सीएंडडीएस

प्रयागराज। शहर के तमाम मोहल्लों को बारिश के दौरान जलभराव से बचाने के लिए नगर निगम ने स्थाई तैयारी शुरू कर दी है। बारिश का पानी निकालने के लिए शहर के संवेदनशील मोहल्लों में 17 नाले बनाने की योजना बना ली है। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात के आदेश पर नगर निगम ने नाले का प्रस्ताव तैयार कर नगर विकास विभाग को भेजा था। नगर विकस विभाग ने नाला निर्माण को हरी झंडी दे दी। शासन ने नालों का डीपीआर बनाने का काम सीएंडडीएस को सौंपा है। सीएंडडीएस डीपीआर और नालों का निर्माण के साथ पांच साल तक रखरखाव भी करेगा। जल निकासी के लिए प्रथम चरण में मेंहदौरी, अशोक नगर के नेवादा, गंगानगर के बेली, राजापुर के गली 21, बच्चा सोनकर आवास के पास के अलावा चाका, महेवा, झूंसी चमनगंज बाजार, क्रिया योग आश्रम, शांतिपुरम के चंद्रपुर, मिलन चौराहा बहमलपुर में बाबाजी कुटिया, गोहरी के बसना नाला और करेलाबाग में घाघर नाले पर बांध बनाने की योजना है।

प्रमुख सचिव ने पिछले साल दिसंबर में जलप्लावन रोकने के लिए सभी नगर निकायों को योजना बनाने का आदेश जारी किया था। आदेश में प्रमुख सचिव ने निकाय क्षेत्र में नालों के निर्माण के लिए बजट में एक हजार करोड़ रुपये प्रावधान किए जाने की भी बात कही थी। नगर निगम के कार्यवाहक मुख्य अभियंता अनिल मौर्या ने बताया कि नालों के निर्माण के लिए जल्द टेंडर निकाला जाएगा।

स्थाई कलाग्राम के लिए संस्कृति मंत्रालय ने मांगी जमीन

प्रयागराज। महाकुम्भ में अस्थाई तौर पर बनाए गए कला एवं संस्कृति ग्राम को अब स्थाई करने की तैयारी चल रही है। संस्कृति मंत्रालय ने प्रयागराज में स्थाई कला ग्राम बनाने के लिए जिला प्रशासन से छह से सात एकड़ जमीन की मांग की है। इस आशय का पत्र संस्कृति मंत्रालय से जिला प्रशासन को भेजा गया है। इस बार महाकुम्भ में कला एवं संस्कृति ग्राम विकसित किया गया था। नागवासुकि सेक्टर सात में बनाए गए कलाग्राम में महाकुम्भ के दौरान 45 दिनों तक तमाम सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। विभिन्न प्रांतों के कलाकारों ने यहां आकर नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान बॉलीवुड के कई बड़े कलाकारों की भी प्रस्तुति हुई, जिसे महाकुम्भ में आए पर्यटकों ने खूब सराहा। इसकी सफलता और लोकप्रियता को देखते हुए संस्कृति मंत्रालय की ओर से स्थाई कलाग्राम बनाने के लिए पत्र जिला प्रशासन को भेजा गया है। जिसमें स्थाई कलाग्राम के लिए जिला प्रशासन से छह से सात एकड़ के बीच जमीन मांगी गई है।

स्टेशन और यार्डों में जंजीरों से बांधी जाएंगी ट्रेनें

प्रयागराज। रेलवे बोर्ड ने ट्रेनों की सुरक्षा के लिए आदेश जारी किया है। स्टेशन और यार्ड में खड़ी ट्रेनों को सुरक्षित करने के लिए लोडेड या अनलोडेड कोच अथवा वैगन और इंजन को जंजीर, स्कॉच ब्लॉक और पैडलॉक से मजबूती से बांधने की सख्त व्यवस्था की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना को रोका जा सके।

राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर), का किया औचक निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महोदय, मुजफ्फरनगर रितीश सचदेवा द्वारा संस्था का औचक निरीक्षण किया गया एवं किशोर की शिक्षा, बोर्ड परीक्षा के विषय में जानकारी ली गई, निरीक्षण के समय पाया गया कि जिला देवरिया से काफी किशोर स्थानांतरण होकर जिला मुजफ्फरनगर किशोर गृह आ रहे हैं जिससे ग्रुपिज्म होने का अंदेशा प्रतीत होता है संस्था प्रभारी को निर्देशित किया गया कि उक्त विषय पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें एवं उच्च अधिकारीयो को पत्राचार करें जिससे संस्था में अव्यवस्था न बने। निरीक्षण के समय संस्था प्रभारी मोहित कुमार, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विपिन कुमार नीरज कुमार सफाई कर्मचारी सुजीत कुमार एवं समस्त सुरक्षा बल उपस्थित रहा।

रीढ़ की हड्डी से पीड़ित अक्षत ने अपने से दौगुना वजन उठा कर सभी को अचंभित किया जिम ट्रेनर तुषार शर्मा का कमाल अक्षत के माता-पिता ने जताया आभार

मुजफ्फरनगर। एकल अभियान के जिला अध्यक्ष अमित गुप्ता जोकि हिन्दू धर्म में धार्मिक संस्कार एवं उभरती प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का समाज सेवा कार्य जिला मुजफ्फरनगर के 420 गांवों में निरन्तर कर रहे हैं उनके सुपुत्र अक्षत की जन्म से ही रीढ़ की हड्डी मुड़ी हुई थी जिसे बड़े बड़े डाक्टरों ने एक मात्र ऑपरेशन बताया था और 42 कि.ग्रा वजन का अक्षत इतना कमजोर था कि वह 5 कि.ग्रा वजन नहीं उठा सकता था तब अक्षत के पिता अमित गुप्ता ने आर्यपुरी स्थित अल्फा वारियर्स जिम ज्वॉइन करा दिया वहाँ कराटे किंग वेदप्रकाश के सुपुत्र जिम ऑनर तुषार शर्मा ने इस समस्या को अत्यंत गम्भीरता से लेते हुए एडवांस तकनीकध्एक्सरसाइज के माध्यम से अक्षत को पूर्ण रूप से स्वस्थ करने के साथ ही 90 कि.ग्रा वजन उठवा कर चमत्कारी एवं ऐतिहासिक कार्य कर दिखाया और अक्षत को मोमेंटो से सम्मानित कर उसका हौसला बढ़ाया और देखिए आज अक्षत बॉडी बिल्डर बनने की तैयारी कर रहा है इतनी बड़ी उपलब्धि पर अक्षत के माता-पिता एवं परिवार के लोगों ने अल्फा वारियर्स जिम ऑनर तुषार शर्मा का आभार व्यक्त किया।

भोकरहेडी के पीडित परिवार से मिले असपा नेता

मोरना। भोकरहेडी कस्बे से गई बारात के साथ सरधना क्षेत्र के गांव कालंदी में मारपीट की गई थी। घटना को लेकर दलित समाज में भारी रोष व्याप्त है। सोमवार को असपा नेता ने पीडित परिवार से मिलकर उनकी व्यथा को सुना तथा आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई का आश्वासन दिया तथा सामाजिक एकजुटता का आहवान किया। भोपा थाना क्षेत्र के मौहल्ला हरिजन चौक में संजीव कुमार के आवास पर पहुंचे आजाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अंकुर गंगवालिया ने पीडित परिवार से बातचीत की तथा उन्हें बताया कि आजाद समाज पार्टी

व भीम आर्मी पीडित परिवार को इंसाफ दिलाकर रहेगी। दो आरोपियों को अभी तक गिरफ्तार किया गया है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर सरधना पुलिस से लगातार वार्ता जारी है। पीडित को न्याय दिलाने के लिए वह प्रयासरत हैं। दलित समाज एकजुट होकर अपनी ताकत एहसास कराए। आजाद समाज पार्टी दलितों, वंचितों, शोषितों को न्याय दिलाने के लिए संघर्षशील है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता न्याय दिलाने के लिए कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर राजवीर, सुक्रमपाल, सुभाष, सुधीर, संजु, मनोज, राजवीर सिंह, संजीव, सतनाम, राधा, सचिन, अनिल आदि उपस्थित रहे।

रहमतपुर पहुंची अधिकारियों की टीम ने की विकास कार्यों की जांच

मोरना। सगांव रहमतपुर में विकास कार्यों में अनियमितताओं की शिकायत ग्रामीणों द्वारा की गई थी। सोमवार को गांव पहुंची अधिकारियों की टीम ने मौके पर जाकर कार्यों की पैमाईश की व स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान भोपा पुलिस भी मौजूद रही।

विकास खण्ड मोरना क्षेत्र के गांव रहमतपुर में यशपाल सिंह द्वारा गांव में ग्राम प्रधान द्वारा कराए गये विकास कार्यों को लेकर 20 बिन्दुओं पर शिकायत की गई थी, जिनमें इंटरलॉकिंग, नाला, नाली, हैण्डपम्प, शौचालय, आंगनबाडी सैन्टर, पंचायतघर, सीसी रोड, स्ट्रीट लाईट, वाटर कूलर, चिल्ड्रन पार्क, मनरेगा कार्य आदि कार्यों सहित विकास कार्यों में अनियमितता की शिकायत की गई थी। गांव में पहुंचे जिला पंचायतराज अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह, जिला कृषि अधिकारी राहुल सिंह तेवतिया, सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी कामेश्वर प्रसाद ने ग्राम पंचायत सचिव प्रांजल के साथ मौके पर जाकर विकास कार्यों की जांच की। जिला पंचायतराज अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि गांव रहमतपुर में यशपाल सिंह द्वारा की गई शिकायत के सम्बंध में जिलाधिकारी के आदेशानुसार तीन सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची तथा शिकायत बिन्दुओं की जांच क्रमानुसार की गई।

पी आर पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया राइम रेशिटेशन प्रोग्राम

मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित पी आर पब्लिक स्कूल में सोमवार को राइम रेशिटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल जी, निदेशक अनघ सिंघल जी और प्रधानाचार्या मानसी सिंघल जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा कविता वाचन किया गया ।कक्षा नर्सरी के नन्हे मुन्ने कलाकारों द्वारा रिश्ता तेरा मेरा..... कक्षा एल .के .जी के बाल कलाकारों द्वारा एक बटा दो दो बटे चार. .... तथा यूकेजी के बच्चों द्वारा पापा कहते हैं..... गानों पर मनमोहक और भावुक कर देने वाली नृत्य प्रस्तुति दी गई। कक्षा नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के बच्चों द्वारा हिंदी और इंग्लिश की बड़ी ही रोचक कविताएं प्रस्तुत की गई। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चे अलग-अलग प्रकार की कविताओं के साथ तैयार होकर आए थे। विविध विषयों के साथ उनकी पसंद। प्रत्येक बच्चे को एक कविता सुनाने का मौका दिया गया ।

इन नन्हे-मुन्नों को लय में गाते हुए सुनना बहुत आनंददायक था।

उन्होंने प्रतियोगिता में अपना आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति और प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया और अभिभावकों ने इसका भरपूर आनंद उठाया। स्कूल प्रधानाचार्या मानसी सिंघल जी ने सभी बच्चों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब बच्चे कविताएँ गाते हैं, तो वे शब्दों को स्पष्ट रूप से बोलना, अपनी आवाज को संतुलित करना सीखते हैं छोटे बच्चों के लिए अंग्रेजी सीखने के लिए कविताएँ महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती हैं। ये उन्हें भाषा सीखने के शुरुआती चरणों में विशेष रूप से मदद करता है। स्कूल निदेशक अनघ सिंघल जी ने बच्चों की मनभावन प्रस्तुति के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा- सुंदरता कविता का क्षेत्र है, छात्र अभिव्यक्ति, विचार, भावना, तुकबंदी और शब्दों की लय की सुंदरता का आनंद लेते हैं। इन सभी को ध्यान में रखते हुए, छात्रों को अपने वक्तृत्व कौशल और आत्मविश्वास को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल जी ने बच्चों के उत्साह और जोश की सराहना करते हुए उपस्थित सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

आज के इस कार्यक्रम का संचालन ममता पुंडीर, चेतना मल्हान और प्रियांशी राजपूत द्वारा किया गया। आज के इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में दिव्या शर्मा, अजय कुमार, शिखा ठाकुर, दीपक मलिक, पायल कौशिक, रितु त्यागी, इशिका, प्राची त्यागी, मोनिका त्यागी, रितु, बिना वत्स अनुपम सैनी आदि का विशेष योगदान रहा।

संदीप कुमार `बालाजी' की पुस्तक `लाल परिंदे' का हुआ विमोचन'

कवि गोष्ठी में रोचक रचनाओं का हुआ पाठ, वसंतोत्सव पर हुआ आयोजन

मिर्जापुर। ग्राम पूरेबदल, पोस्ट साण्डा (सुरियावां), जनपद भदोही में डॉ संदीप कुमार 'बालाजी' द्वारा लिखित 'लाल परिंदे' (बाल कहानियाँ) का श्री तेरसनाथ मनभावती देवी आवास पर भव्य विमोचन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री कर्मराज यादव शकिसलयश जी ने हार्दिक बधाई और आशीर्वाद दिया तो मुख्य अतिथि रहे हिंदी श्री प्रकाशन के संस्थापक श्री आनंद श्अमितश जी ने कहानियों की भूरि भूरि प्रशंसा किया और कहा कि बालाजी की कविताएं और कहानियाँ दोनों ही अत्यंत प्रेरक और साहित्य की कसौटी पर उम्दा हैं आपकी कविताओं की भांति ही कहानियाँ भी बिंबो, प्रतीकों में गति पाती हैं। हिंदी श्री पब्लिकेशन ने उक्त अवसर पर श्री संदीप कुमार श्बालाजीश को बाल साहित्य के क्षेत्र में विशेष कार्य के लिए 'हिंदी श्री बाल साहित्य सम्मान' प्रशस्ति पत्र और अंग वस्त्रम देकर विभूषित किया और विमोचन कर्ता श्री भोलानाथ कुशवाहा जी ने कहा कि संदीप कुमार ष्बालाजीष् की कहानियाँ कथा साहित्य की कसौटी पर अत्यंत

खरी उतरती हैं। उद्देश्य परक होने के साथ-साथ रोचक और भारतीय संस्कृति को समेटे हुए होती हैं। आयोजक श्री विनोद कुमार सरोज (सीनियर ऑडिटर) ने कहा कि कहानी और कविताएं केवल मनोरंजन का साधन नहीं होती अपितु देश और समाज के लिए दिशा निर्देश का कार्य करती हैं। पूर्व प्रधानाचार्य श्री नरेंद्र बहादुर सिंह और प्रधानाचार्य श्री रमेश चंद्र दुबे ने बालाजी को आशीर्वाद एवं बधाई दिया साथ ही उनकी कहानी और कविताओं पर प्रकाश डाला। संयोजक श्री योगेंद्र प्रताप श्रीवास्तव ने बालाजी को बधाई दिया। उक्त अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार श्री नरेंद्र बहादुर सिंह पंकज जी का जन्मदिन भी मनाया गया। संलग्न काव्य-पाठ कार्यक्रम में श्री नरेंद्र बहादुर सिंह श्पंकजश, अजय विश्वकर्मा श्शानश, अरुण यादव श्आदित्यश, श्रीमती सुमति श्रीवास्तव, श्री गंगाधर मिश्र बेखबर सत्येंद्र शुक्ला सजग, डॉ विनोद स्वामी, श्री राम सागर सरस, श्री इंद्रजीत सिंह वियोगी, आनंद गुप्ता गांधी, शेख सलीम सचिन सरोज, वंदना मौर्य, जैसे रचनाकारों ने सुंदर काव्य पाठ कर श्रोताओं को मंत्र मुक्त किया। अतिबल सरोज, गुलाबचंद सरोज, पंडित रामचंद्र दुबे, समरजीत सरोज, प्रोफेसर रविशंकर गौतम, श्री लालचंद दुबे, चंद्रमा प्रसाद उपाध्याय, भोलानाथ सरोज, दिनेश यादव, सुनील तिवारी, हंसराज राम शिरोमणि सरोज शिवप्रसाद सरोज, दिनेश सरोज, सूर्यमणि सरोज जैसे लोगों की गरिमा में उपस्थित बनी रही।

कार्यक्रम के अंत में आयोजक श्री विनोद कुमार सरोज सीनियर ऑडिटर ने सबका आभार व्यक्त किया और श्री योगेंद्र प्रताप श्रीवास्तव एवं श्री रमेश चंद्र दुबे जी ने रचनाकारों को 'श्री विनोद लक्ष्मी साहित्य सम्मान' से विभूषित किया।

रमणरेती में उड़ा गुलाल, ठाकुर जी संग भक्तों ने खोली फूलों की होली

मथुरा। रमणरेती में उड़ा गुलाल, ठाकुर जी संग भक्तों ने खेली फूलों की होलीय रसिया गीतों पर झूमे श्रद्धालु, गुलाल की होली, फूलों की होली, लठमार होली और लड्डू होली का श्रद्धालुओ ने आनंद लिया,

गोकुल में उदासीन कार्ष्णि रमणरेती आश्रम में गोपाल जयंती महोत्सव में सोमवार को होली खेली गई। इसमें पीठाधीश्वर कार्ष्णि गुरुशरणानंद महाराज ने राधाकृष्ण स्वरुपों की आरती उतारकर होली का शुभारंभ किया।

इससे पूर्व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। श्आयौ री बिहारी जमुना तट पै, मत जइयौ अकेली पनया घट पैश, श्बांके बिहारी की बांकी मरोड़ चित लीनौ है चोर, राधे अलबेली सरकार भजैं जा राधे राधेश, श्होरी खेलन आयो श्याम आज जाए रंग में घोरो रीश, श्मेरौ खोयगो बाजू बंध रसिया होरी मेंश आदि रसिया गायन पर श्रद्धालुओं ने नृत्य करते आंनद लिया।

राधाकृष्ण स्वरुपों ने ग्वाल वालों से लठामार होली खेली पीठाधीश्वर कार्ष्णि गुरु शरणानंद महाराज द्वारा राधाकृष्ण स्वरुपों को गुलाल लगा कर होली खेली गई। लड्डूओं से होली खेली गयी भक्तों को लडडू लुटाएं गए। ग्यारह हजार लीटर पानी में टेसू के रंग घोलकर रंग बनाया गया। भक्तों पर इसकी बौछार की गई।

भक्त भी ठाकुरजी के रंग की एक-एक बूंद अपने ऊपर पाने के लिए लालायित दिखे। ठाकुरजी के साथ पीठाधीश्वर कार्ष्णि गुरुशरणानंद महाराज फूलों की होली खेली। रमणरेती आश्रम के गुरुशरणानन्द महाराज ने कहा कि रमणरेती में प्राकृतिक वनस्पतियों के रंगों से प्रेम की होली खेली गई है यहां सभी प्रकार की ब्रज सांस्कृतिक होली की खेली गई है। होली के दौरान कोई भी अशिष्टता नहीं हुई है यहां की होली में अनुराग है श्रद्धालुओं ने होली का खूब आनंद लिया है।

स्कूल का विकल्प लेकर तैनाती देना भूले अफसर

प्रयागराज। राजकीय विद्यालयों में चयनित 520 सहायक अध्यापक (एलटी ग्रेड) और प्रवक्ता से स्कूल का विकल्प लेकर माध्यमिक शिक्षा विभाग के अफसर तैनाती देना ही भूल गए हैं। लंबे इंतजार के बाद इन अभ्यर्थियों से 23 से 27 दिसंबर तक स्कूल का विकल्प लिया गया गया था लेकिन दो महीने बाद भी तैनाती नहीं मिल सकी है।

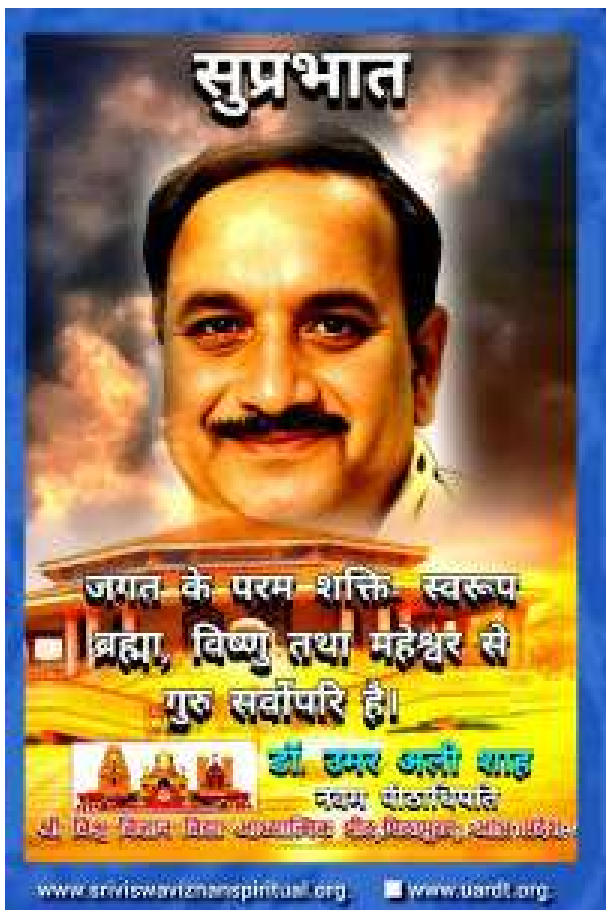

एमपी डिग्री कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज स सी.एम. पी. डिग्री कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ से आए हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो.रामपाल गंगवार ने श्भक्ति कालीन हिंदी कविता का सेकुलर मिजाजश विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने मध्यकाल के सभी महत्वपूर्ण कवियों का उदाहरण देते हुए यह सिद्ध किया कि भाव, भाषा और सौंदर्यबोध सभी दृष्टियों से यह कविता सेकुलर मिजाज की कविता है। रैदास के बेगमपुरा को उन्होंने सभी भारतीय जनता के हितों पर केंद्रित बताया। उन्होंने कहा कि डॉ अम्बेडकर की समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की अवधारणा संत रैदास के बेगमपुरा से ही निकली है। यही भारतीय ज्ञान परंपरा बाद में फ्रांसीसी क्रांति का जनक

बनती है। सभी स्वतंत्र हो, सभी समान हो और सभी के भीतर भाईचारा हो, इसी मूलमंत्र को भारतीय संविधान में पिरोया गया है। इसी विचार को अपनाकर आधुनिक लोकतंत्र मजबूत होगा। मीराबाई को सामंती परिवेश, नारी और विधवा नारी जैसी कई दृष्टियों से समझने की बात कही। कबीर, सूर, और तुलसी की स्त्री दृष्टि पर विस्तार से बात करते हुए उन्होंने अभिव्यक्ति के खतरे की ओर भी संकेत किया। शोधार्थियों और अध्यापकों के कई प्रश्न आए जिनके संतोषजनक उत्तर भी दिए गए। संचालन प्रोफेसर आभा त्रिपाठी ने किया, स्वागत व्यक्त प्रोफेसर सरोज सिंह ने दिया और प्रोफेसर दीनानाथ ने आभार व्यक्त किया। हिंदी विभाग के डॉ रंजीत सिंह, डॉ जी गणेशन, डॉ भारती कोरी, डॉ पूजा गौड़, डॉ राजेन्द्र यादव डॉ रमाशंकर सिंह के अलावा अन्य विभागों के अध्यापक और शोधार्थी मौजूद थे।

खेलो रंग-गुलाल

(कुण्डलिया)

साले अड़भंगी बहुत, सरहज सरल सुजान।
लेकिन साली जी सदा,रखे हमारा ध्यान।
रखे हमारा ध्यान, कहे फागुन में आओ।
खेलो रंग-गुलाल,साथ में गुझिया खाओ।
सुनकर गए प्रदीप, रंग को बहुत सँभाले।
लेकिन खाकर भाँग, सो गए, हँसते साले।।

फागुन के हर रंग में,खुशियों की भरमार।
पत्नी घर-संसार हैं,साली सुखद बयार।
साली सुखद बयार,तरो-ताजा दिल करती।
बातें लच्छेदार, हमेशा ही वह कहती।
दिल की बात प्रदीप,कहें ,सुन उसकी गुनगुन।
साली के ही संग,सुहाना लगता फागुन। ।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

राजकीय संप्रेक्षण गृह का औचक निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महोदय, मुजफ्फरनगर रितीश सचदेवा द्वारा संस्था का औचक निरीक्षण किया गया एवं किशोर की शिक्षा, बोर्ड परीक्षा के विषय में जानकारी ली गई, निरीक्षण के समय पाया गया

कि जिला देवरिया से काफी किशोर स्थानांतरण होकर जिला मुजफ्फरनगर किशोर गृह आ रहे हैं जिससे ग्रुपिज्म होने का अंदेशा प्रतीत होता है संस्था प्रभारी को निर्देशित किया गया कि उक्त विषय पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें एवं उच्च अधिकारीयो को पत्राचार करें जिससे संस्था में अव्यवस्था न बने। निरीक्षण के समय संस्था प्रभारी मोहित कुमार, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विपिन कुमार नीरज कुमार सफाई कर्मचारी सुजीत कुमार एवं समस्त सुरक्षा बल उपस्थित रहा।

सम्पादकीय.....

फ्लाप फिल्में, कायम निर्देशन का मोह

फिल्म जगत में समय–समय पर कई एक्टर्स ने डायरेक्टर के तौर पर भी महारत हासिल की। लेकिन कुछ अभिनेता निर्देशन में सफल नहीं रहे। यह सिलसिला बॉलीवुड की शुरुआत से जारी है। आज के समय में भी अजय देवगन, नंदिता दास, हेमा मालिनी, नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर व पूजा भट्ट आदि ऐसे कई एक्टर हैं, जिनकी फिल्में फ्लॉप हुई, पर डायरेक्शन से मोहभंग नहीं हुआ।एक अरसे से अस्वस्थ चल रहे राकेश रोशन अपने महत्वाकांक्षी फ्रेंचाइजी प्रोजेक्ट 'कृष–4' को फिर से जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर एक्टर से बने एक और निर्देशक सोनू की फिल्म 'फतेह ' को पहले शो में ही दर्शकों ने प्रतिसाद नहीं दिया। वहीं अजय देवगन लगातार फ्लॉप बना रहे हैं, मगर निर्देशक बनने की इच्छा बदस्तूर कायम है। अजय देवगन की बात जाने दें, तो नंदिता दास, रेवती, सनी देओल, हेमा मालिनी, नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर, पंकज कपूर, रजत कपूर, पूजा भट्ट आदि ऐसे कई एक्टर हैं, जिनका कई फ्लॉप के बावजूद डायरेक्शन से मोहभंग नहीं हुआ। इनमें अजय देवगन कई अतार्किक फिल्में बनाने के बावजूद मशहूर हैं। 'भोला' की विफलता भूलकर वह फिर से मैदान में हैं। वहीं फिल्म 'जविगाटों ' की महाफ्लॉप के बावजूद एक्ट्रेस नंदिता दास अगली फिल्म की तैयारी कर रही हैं। इन एक्टर्स से हटकर देखें, तो गुरुदत्त, राज कपूर, सुनील दत्त, मनोज कुमार, फिरोज खान, सुभाष घई, राकेश रोशन, शेखर कपूर, आशुतोष गोवारिकर, अभिषेक कपूर आदि ऐसे कई एक्टर हैं, जो बतौर निर्देशक बहुत सफल रहे। एक्टर से निर्देशक बने शख्सियत की कोई भी चर्चा राज कपूर और गुरुदत्त के बिना अधूरी है। डायरेक्टर राजकुमार हिरानी कहते हैं, "गुरुदत्त और राज कपूर इंडस्ट्री के दो नायाब डायरेक्टर हैं । आनेवाली पीढ़ी यदि उनकी निर्देशन प्रतिभा से कुछ सीखती है, तो फिल्मों के लिए शुभ संकेत होगा।" देव आनंद, सुनील दत्त और मनोज कुमार में मनोज कुमार ही ऐसे डायरेक्टर रहे, जिन्होंने निर्देशन में परचम लहराया। पहले 1964 की फिल्म 'शहीद' में उनकी योग्यता सामने आई व 1967 की फिल्म 'उपकार' से वह पूरी तरह निर्देशक बने। इस फिल्म में 'ओ मेरे देश की धरती'३ गाते हुए जादू चलाया। फिर तो पूरब और पश्चिम, रोटी, कपड़ा और मकान, क्रांति जैसी फिल्मों ने उन्हें दिग्गज निर्देशकों में ला दिया। जूनियर शोमैन सुभाष घई मुंबई आए, तो नाटक, उमंग, आराधना, तकदीर जैसी आधे दर्जन से ज्यादा फिल्मों में नायक–सहनायक बने। पर एक्टिंग का दरवाजा नहीं खुला। फिर फिल्मों में कहानी लिखने लगे। 'कालीचरण' के लेखन और निर्देशन का काम उन्हें मिला। उसके बाद घई अब तक 16 फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं, ज्यादातर सुपरहिट रही। विश्वनाथ, हीरो, गौतम गोविंदा, कर्ज, राम लखन, खलनायक जैसी उनकी कई फिल्में नए निर्देशकों के लिए प्रेरणा हैं। इस प्रसंग में देव आनंद और उनके अनुज विजय आनंद की चर्चा लाजमी है। इन दोनों को ही एक्टिंग का शौक था, मगर इनमें देव साब बहुत–बहुत आगे निकल गए। लेकिन डायरेक्शन में बाजी विजय आनंद के हाथ लगी। विजय आनंद ने गाइड, ज्वैल थीफ, तेरे मेरे सपने, जॉनी मेरा नाम जैसी फिल्में बनाकर परचम लहराया, मगर देव साहब की एकमात्र फिल्म हरे राम हरे कृष्ण को याद किया जाता है। डायरेक्टर से एक्टर बनने के सिलसिले में फरहान अख्तर ने ही सर्वाधिक प्रभावित किया। वैसे तिगमांशू धूलिया भी अच्छे एक्टर के तौर पर सामने आए। वहीं अनुराग कश्यप, सुधीर मिश्रा, करण जौहर जैसे निर्देशकों को दर्शकों ने पसंद नहीं किया। अदाकारा कंगना रनौत ने कैरियर के शुरू से ही डायरेक्शन में जाना तय कर रखा था। कंगना ने दो स्क्रिप्ट भी लिख रखी हैं।

जैव विविधता बचाने को हो वन्य जीवों का संरक्षण

के.पी. सिंह

वैसे हर साल की अलग थीम के अलावा वन्यजीव दिवस मनाये जाने की जो स्थानीय थीम है, उसका मकसद वन्यजीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

वन्यजीव संरक्षण सिर्फ मानव जीवन की गुणवत्ता के लिए ही नहीं बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए भी जरूरी है। हर साल 3 मार्च को मनाये जाने वाले विश्व वन्यजीव दिवस की इस बार थीम है, 'वन्यजीव संरक्षण वित्त लोगों और ग्रह में निवेश'। वास्तव में इसका मतलब वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण हेतु आर्थिक संसाधनों का प्रबंध करना है ताकि न केवल जैव विविधता की रक्षा हो सके बल्कि इसका लाभ समाज और समूची धरती को भी मिले। इस थीम के बहुत गहरे मायने हैं। अगर वन्यजीवों और उनकी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए वन्यजीवन पर आर्थिक निवेश नहीं किया गया, तो दुनिया की एक बहुत बड़ी आबादी भी विकास से वंचित हो जायेगी। वन्यजीव संरक्षण पर किये गये निवेश से जनजातीय समुदाय तो लाभान्वित तो है ही, इको टूरिज्म, वैकल्पिक रोजगार और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग स्थानीय लोगों के जीवनस्तर को बेहतर बनाता है। हालांकि यह भी जानना जरूरी है कि वन्यजीव संरक्षण दिवस जनजातीय समुदायों के विकास के लिए नहीं मनाया जाता बल्कि इसे मनाये जाने के पीछे लगातार वन्यजीवों का विनाश है। हर साल 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाने का मकसद वन्यजीवों और वनस्पतियों के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाना और लोगों के मन में वन्यजीवन के प्रति सम्मान पैदा करना है। वैसे हर साल की अलग थीम के अलावा वन्यजीव दिवस मनाये जाने की जो स्थानीय थीम है, उसका मकसद वन्यजीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। जाहिर है ये जागरूकता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय संसाधनों की भी जरूरत है। इसलिए विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस के दिन तमाम वित्तीय संगठन, विभिन्न सरकारें, नागरिक समाज और कार्पोरेट जगत मिलकर इन संसाधनों के जुटाने पर विचार विमर्श करता है। इस साल विशेष रूप से सही थीम है कि दुनियाभर के वन्यजीव को बचाने के लिए जिस व्यापक पैमाने पर वित्त की जरूरत है, उसकी व्यवस्था कब, कैसे और कहां से हो। जब वन्यजीव संरक्षण पर निवेश की बात होती है तो स्पष्ट कर दिया जाता है कि इसका मतलब स्थानीय समुदायों को संसाधनों से बेहतर बनाना है। अगर वन्यजीव संरक्षण पर निवेश होता है तो धरती में पारिस्थितिकी के

संतुलन की उम्मीद की जा सकती है वर्ना वन्यजीव के निरंतर विनाश से जलवायु परिवर्तन के बेलगाम होने और प्राकृतिक आपदाओं की बाढ़ आना भी तय है। इसलिए वन्यजीवन बचाने के लिए किये गये निवेश को धरती को बचाने के लिए किया गया निवेश कहते हैं। अगर वन्यजीव संरक्षण के लिए निवेश किया गया तो पारिस्थितिकी संतुलन भी मजबूत होगा, जलवायु परिवर्तन में रोक लगेगी, प्राकृतिक आपदाओं में कमी आयेगी और पारिस्थितिक सेवाएं जैसे स्वच्छ जल, हवा आदि को भी संरक्षण मिलेगा, जो कि न सिर्फ मानव जीवन को स्वस्थ बनाये रखने के लिए बल्कि इसे संरक्षण देने के लिए भी जरूरी है। वन्यजीव पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। यह खाद्य शृंखला को संतुलित रखते हैं और प्राकृतिक चक्रों जैसे कार्बन और नाइट्रोजन चक्र को सुचारू रूप से चलाने में मददगार होते हैं। इसलिए किसी भी जीव प्रजाति के विलुप्त होने का असर इंसानों के जीवन के लिए बढ़ते खतरे के रूप में होता है। क्योंकि प्रकृति से कोई भी जीव प्रजाति जब लुप्त होती है, तो उस स्तर का असंतुलन पैदा होता है और इससे समूचे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ता है। वन्यजीव संरक्षण जलवायु परिवर्तन को भी रोकने में सहायक है क्योंकि जंगलों में रहने वाले जीव जंतु और पेड़–पौधे जलवायु परिवर्तन को अपनी तरह से नियंत्रित करते हैं। मसलन हाथी जंगलों में बीजों का फैलाव करते हैं, जिससे वनों का न केवल विकास उनका सघनीकरण होता है। वन कार्बनडाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और कार्बनडाइऑक्साइड के अवशोषित होने से ग्लोबल वार्मिंग का खतरा कम होता है। वन्यजीवों के संरक्षण से जलस्रोतों की रक्षा होती है। इसी तरह वन्यजीव संरक्षण जैव विविधता को बढ़ाता हैय क्योंकि वन्यजीव संरक्षण का मतलब जैव विविधता का संरक्षण है। धरती को बचाने में हर जीव की अपनी एक भूमिका होती है। यदि कोई जीव लुप्त होता है तो उसके हिस्से की भूमिका कोई दूसरा नहीं उठाता और इस तरह जैव विविधता का नुकसान होता है। मसलन अगर जंगल में शेर और बाघ जैसे शिकारी जीव कम हो जाएंगे तो हिरण और जंगली सूअर जैसे शाकाहारी जीवों की संख्या बढ़ जायेगी और वो जंगलों का सफाया कर डालेंगे।

रेखा सरकार के सामने चुनौतियों का अंबार

उमेश चतुर्वेदी

हर दौर में राजनीति के केंद्र में कुछ ही मुद्दे होते हैं, जिनके इर्द–गिर्द ही पूरी राजनीति चलती है और उन्हीं को ध्यान में रखते हुए कदम भी उठाती है। इसे राजनीति का युगबोध भी कह सकते हैं। मौजूदा राजनीति के केंद्र में दलित, पिछड़ा और महिलाओं से जुड़े मुद्दे ही हैं। शायद इसी वजह से बीजेपी पर उसके विरोधी आरोप लगाते रहते थे कि वह महिलाओं की बात तो खूब करती है, लेकिन उसके पास कोई महिला मुख्यमंत्री नहीं है। विरोधियों के आरोप को इससे भी दम मिलता था कि देश के 19 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में बीजेपी की सरकारें हैं। फिर बीजेपी महिला सम्मान और बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं की बात भी खूब करती है। दिल्ली की जनता ने जब 27 साल के अंतराल के बाद बीजेपी को सत्ता सौंपी, तभी तकरीबन तय हो गया कि दिल्ली को इस बार महिला मुख्यमंत्री मिल सकती है। इस दौड़ में रेखा गुप्ता आगे निकल गईं और अब दिल्ली की कमान उनके हाथ है। रेखा गुप्ता को देश की राजधानी की कमान तो मिल गई है, लेकिन उनके लिए राजधानी की सत्ता फूलों की सेज नहीं है, बल्कि कांटों भरी राह है। उनके सामने चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। मोटे तौर पर अगर विचार करें तो उन पर यमुना की सफाई कराने, राजधानी को स्वच्छ वातावरण मुहैया कराने के साथ ही महिला सम्मन निधी देने, मुफ्त की सुविधाएं जारी रखने, और राज्य का स्वास्थ्य ढांचा बेहतर बनाने का दबाव ज्यादा रहेगा। बीजेपी ने केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार और शीश महल को बड़ा मुद्दा बनाया था, इसलिए रेखा गुप्ता सरकार के सामने दिल्ली में स्वच्छ प्रशासन देना भी बड़ी चुनौती होगी और इसके जरिए उन्हें अरविंद केजरीवाल के सामने बड़ी लकीर खींचनी होगी। रेखा गुप्ता राजधानी दिल्ली की राजनीति में मौजूद बीजेपी दिग्गजों के सामने जूनियर भी हैं। इसलिए वरिष्ठ नेताओं से समन्वय बनाने और उनके सहयोग से संगठन को भी आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी रहेगी। भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान वादा किया था कि वह दिल्ली की कभी लाइफ लाइन रही यमुना की सफाई कराएगी। पार्टी ने नदी को स्वच्छ बनाने के साथ ही उसके सौंदर्यीकरण का भी वादा किया था। नदी सफाई का काम शुरू हो चुका है। लेकिन नदी में गिरने वाले नालों के पानी को साफ करने की अभी तक कोई ठोस योजना शुरू नहीं हुई है। चूंकि बीजेपी का एक उद्देश्य यमुना के पानी को पवित्र बनाना भी है, लिहाजा उसे इस दिशा में ठोस पहल करनी ही होगी। दिल्ली की सरकार में अघोषित तौर पर नंबर दो की हैसियर रखने और केजरीवाल को चुनावी चौसर पर मात देने वाले प्रवेश वर्मा चुनाव अभियान के आखिरी दौर में केजरीवाल की होर्डिंग को यमुना में डुबाकर दिल्ली के सामने यमुना की गंदगी को मुद्दा बना चुके हैं। लिहाजा यमुना की सफाई के लिए रेखा गुप्ता सरकार को प्राणपण से लगना होगा। अगर एक खास अवधि में यमुना साफ होती नहीं दिखी तो आंदोलन से उभरी केजरीवाल राजनीति इसे मुद्दा बनाकर रेखा गुप्ता सरकार की नाक में दम करने से नहीं चूकेगी। वैसे भी दिल्ली में करीब पैंतीस फीसद तक हिस्सेदार हो चुकी पूर्वांचली जनसंख्या का लोक पर्व छठ पानी के ही किनारे मनाया जाता है। अगर साल–दो साल बाद उसे साफ यमुना नहीं मिली तो उसका मन बदल सकता है। कहना न होगा कि इस जनसंख्या ने इस बार बीजेपी पर भरोसा ज्यादा जताया है। दिल्ली की नवेली रेखा सरकार पर राजधानी में स्वच्छ हवा और वातावरण मुहैया कराने की भी बड़ी चुनौती है। वैसे भी वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली की हालत देश में सबसे खराब है। सर्दी के मौसम में कई साल से यहां सामान्य सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। पूरी राजधानी धूल और धुएं के चादर से ढंक जाती है। अरविंद और बाद में आतिशी सरकार पर आरोप रहा कि राजधानी दिल्ली के लोगों को सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा तक नहीं मुहैया नहीं करा सकी। अब रेखा गुप्ता सरकार पर जिम्मेदारी है कि वह राजधानी दिल्ली को स्वच्छ हवा और वातावरण मुहैया कराए। उन्हें वायु प्रदूषण हर हाल में कम करना ही होगा। बीजेपी ने विधान सभा चुनाव के वक्त इस

बात की गारंटी दी थी कि केजरीवाल सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को बंद नहीं करेगी। उसने तो केजरीवाल सरकार की दो सौ यूनिट की बजाय तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने, मुफ्त पानी मुहैया कराने और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बनाने का वादा भी किया था। इस दिशा में रेखा सरकार को तेजी से काम करना होगा, अन्यथा मुफ्त की आदत वाली जनता का मन बदलते देर नहीं लगेगी। चुनाव अभियान के दौरान बीजेपी ने दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने का वादा किया था, जो केजरीवाल की पार्टी के 2100 रूपए महीने के वायदे से ज्यादा है। महिलाएं आज की राजनीति की धुरी बनती जा रही हैं। बीजेपी और रेखा गुप्ता सरकार पर दबाव रहेगा कि वह महिलाओं के लिए सम्माननिधि की घोषणा ना सिर्फ जल्द करे, बल्कि उसे सुचारू तरीके से लागू भी करे। केजरीवाल सरकार द्वारा बहुप्रचारित स्वास्थ्य और शिक्षा मॉडल के खोखलेपन को भी बीजेपी ने मुद्दा बनाया था। रेखा सरकार के सामने दिल्ली की सरकारी शिक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने के साथ ही स्वास्थ्य सेवा के प्रति लोगों में भरोसा बहाल करने और बेहतर सुविधा मुहैया कराने का दबाव रहेगा। वैसे भी दिल्ली के सरकारी अस्पतालों पर दूसरे राज्यों के मरीजों के इलाज का दबाव ज्यादा रहता है। लिहाजा रेखा सरकार पर अस्पतालों की लंबित परियोजनाएं पूरा करना और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की चुनौती है। दिल्ली के बड़े सरकारी अस्पतालों की ओपीडी, दवा काउंटर पर मरीज घंटों कतार में लगने को मजबूर हैं। जांच व इलाज में वेटिंग बड़ी समस्या है। इसकी वजह यह है कि दिल्ली के सरकारी अस्पताल डॉक्टर, नर्सिंग व पैरामेडिकल कर्मियों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा गठित कमेटी भी अपनी रिपोर्ट में इन समस्याओं को उठा चुकी है। दिल्ली में 24 अस्पतालों की परियोजनाएं लंबित हैं। इनमें सात आईसीयू अस्पताल, चार नए अस्पताल और 13 वर्तमान अस्पतालों की विस्तार परियोजनाएं शामिल हैं। ये परियोजनाएं पूरी होने पर दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 16,186 बेड बढ़ जाएंगे। विधानसभा की पहली कार्यवाही बैठक में यह सवाल भी उठ चुका है। आंकड़ों के अनुसार दिल्ली के छह अस्पतालों का निर्माण कार्य 90 से 99 प्रतिशत और चार अस्पतालों का निर्माण कार्य 80 से 89 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। वैसे भी दिल्ली के स्वास्थ्य बजट का बड़ा हिस्सा अस्पतालों के संचालन व वेतन पर खर्च होता। लिहाजा स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए आवश्यक बजट जुटाना नई सरकार के लिए चुनौती है। दिल्ली में देश के किसी भी राज्य या शहर की तुलना में सबसे ज्यादा गाड़ियां हैं। इसकी वजह से सड़क हादसे भी यहां खूब होते हैं। दिल्ली सरकार को जहां सड़कों के निर्माण पर काम करना होगा, वहीं सार्वजनिक परिवहन सुविधा बढ़ानी होगी।

आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है धर्मः डॉ. उमर अली शाह

तुनि। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि धर्म आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है।

सोमवार को 28वें वार्षिक सर्वधर्म सम्मेलन सभा की अध्यक्षता करते हुए श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम, तुनी आश्रम के पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने उक्त उद्गार व्यक्त किया। डॉ. उमर अली शाह , सिकंदराबाद योगालय के प्रशासक डॉ. वासिली वसंत कुमार, हिंदू प्रतिनिधि श्री स्वामी विजयानंद, विजयनगरम चिन्मय मिशन के प्रमुख, इस्लामी प्रतिनिधि विजयवाड़ा सूफी शेख अहमद जानी, ईसाई प्रतिनिधि हंसवरम, रेवरेंड. एस. बाला सौरी, बौद्ध प्रतिनिधि पूज्य भोटे आंध्र अनल्यो और सिख प्रतिनिधि श्री गुरु चरण सिंह खालसा सहित विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने ज्योति प्रज्वलित कर सर्वधर्म सम्मेलन का शुभारंभ किया। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में शांति, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सर्वधर्म सम्मेलन सभाएं आयोजित की जाएंगी। डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि माता–पिता प्रेम की प्रतिमूर्ति हैं और उनके द्वारा दिया गया मानव जन्म अमूल्य है। आध्यात्मिक सिद्धांतों से हमें अवगत कराने वाले सद्गुरु की शरण में आकर हम ज्ञान के स्वरूप का रहस्य समझ सकेंगे, प्रकृति रूपी दर्शन क्या है और ईश्वर के दर्शन के मर्म का विश्लेषण कर सकेंगे तथा अनुभव से समझ सकेंगे कि मानवता ही धर्म है। पीठ के पीठाधीश्वर ब्रह्मर्षि काहेन शाह वली सद्गुरु द्वारा रचित कल्कि भागवत कीर्तन को सुनकर हम साधना के मार्ग को समझ सकते हैं। डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि यदि हम गंभीर संकटों से उभरना चाहते हैं, यदि हम सहज रहना चाहते हैं और यदि हम चाहते हैं कि हमारे साथी

मनुष्य सहज रहें, तो आर्ष सूफी धर्म सिखाता है कि हमारे भीतर का ईश्वर और दूसरों के भीतर का ईश्वर एक ही है।

इस अवसर पर योगालय के संचालक डॉक्टर वासिली वसंत कुमार ने कहा कि 200 वर्ष पूर्व पीठ के चतुर्थ पीठाधपति सदस्यों के इच्छा अनुसार उच्चतम अध्यात्मिक दर्शन की शिक्षा दी थी ।उनकी कृति कल्की भगवतम की विशेषता यह है कि उन्होंने इस उत्कृष्ट दारू कीर्तन की साहित्यिक शैली में लिखा था।

चिन्मय मिशन विजयनगरम के स्वामी विद्यानंद ने कहा कि सर्वे भवंति सुखिनरू अर्थात मन और इंद्रियों को नियंत्रित करने से गलत विचारों को रोका जा सकता है और आंतरिक आत्मा को शुद्ध किया जा सकता है।

ईसाई धार्मिक प्रतिनिधि रेवरेंड बाला शौरी ने कहा कि ईसाई ध र्म में प्रेम का हर स्वरूप छुपा है। मनुष्यों को एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए हमें एक दूसरे की मदद करना चाहिए।

इस्लाम धर्म के प्रतिनिधि सूफी शेख अहमद जानी ने कहा कि भगवान के मार्ग अनेक हैं परंतु भगवान एक है। उन्होंने कहा कि यदि सभी लोग यह समझें कि सभी प्रार्थनाएं सार्वभौमिक धर्म की प्रार्थनाएं हैं तो सार्वभौमिक शांति संभव हो पाएगी ।

बौद्ध धर्म के प्रतिनिधि प्रिया आंध्र एनालियों ने कहा कि पाप मत करो केवल अच्छे काम करके आप अपने मन को शुद्ध रख सकते हैं। अर्थात भक्ति, दान, नैतिक आचरण और सद्भावना का अभ्यास करके आप अपने जुनून और नफरत को नियंत्रित कर सकते हैं। सिख धर्म के प्रतिनिधि श्री गुरु चरण सिंह खालसा ने गुरु नानक के दर्शन को समझाया और कहा कि परमात्मा तक पहुंचना केवल गुरु के माध्यम से ही संभव है

इस अवसर पर सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने देश की अखंडता और सार्वभौमिक मानव शांति के लिए श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह के साथ मिलकर काम करने की शपथ ली।

कार्यक्रम की शुरुआत सार्वभौमिक प्रार्थना से हुई और समापन आरती के साथ हुआ। नोबल आईटीआई संवाददाता श्री जी सत्यनारायण ने स्वागत भाषण दिया।उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट के माध्यम से पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने पक्षी चारा के लिए धान के गुच्छे, जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन और छात्रों को नोटबुक प्रदान किया। 45 नए सदस्यों ने पीठ के पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह से महामंत्रोपदेश प्राप्त किया और सदस्य बने। सर्वधर्म सम्मेलन सभा में हजारों सदस्य शामिल हुए। लगभग 900 स्वयंसेवकों ने 45 विभागों के माध्यम से सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम में पीठम केंद्रीय समिति के सदस्य श्री एनटीवी प्रसाद वर्मा, डॉ पिंगली आनंद कुमार, संयोजक श्री पेरूरी सुरीबाबू, तुनि समिति के श्री जी. रमना, श्री एबी रेड्डी अप्पन्ना रेड्डी, श्री जम्पना केशवराजू, श्री जीवीवी सत्यनारायण, श्री गोर्ला आदिनारायण, श्री चौ. सत्यनारायण, के. वेंकट अप्पाराव और अन्य ने भाग लिया।

35 के हुए टाइगर श्रॉफ सामने आई जश्न की झलक

अभिनेता टाइगर श्रॉफ आज अपने 35वें जन्मदिन का जश्न मना रहे हैं। सोशल मीडिया पर अभिनेता का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपनी टीम के बीच केक काट रहे हैं। टाइगर श्रॉफ के हेयर स्टाइलिस्ट अमित यशवंत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अभिनेता केक काटते और उनकी पूरी टीम उन्हें बधाई देती नजर आई। अमित ने शेयर किए गए वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, "हैप्पी बर्थडे भाई।"वीडियो में टाइगर केक काटकर खुद खाते और टीम के साथ हंसी–मजाक करते कैमरे में कैद हुए। एक्शन में परफेक्ट होने के साथ ही बेहतरीन डांसर के रूप में लोकप्रिय अभिनेता टाइगर श्रॉफ के अभिनय करियर पर नजर डालें तो उन्हें साजिद नाडियाडवाला ने 'हीरोपंती' के साथ लॉन्च किया था। फिल्म में टाइगर के साथ कृति सेनन मुख्य भूमिका में थीं। पहली फिल्म में ही उनकी डांसिंग स्किल और अभिनय को सराहा गया। फिल्म न केवल बॉक्स ऑफिस पर सफल रही बल्कि फिल्म के लिए टाइगर को बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला।'हीरोपंती' के बाद टाइगर

> टाइगर श्रॉफ के हेयर स्टाइलिस्ट अमित यशवंत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अभिनेता केक काटते और उनकी पूरी टीम उन्हें बधाई देती नजर आई। अमित ने शेयर किए गए वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, "हैप्पी बर्थडे भाई।"

'वॉर', 'छोटे मियां बड़े मियां', 'बागी', 'बागी 2', 'बागी 3', 'मुन्ना माइकल', 'गणपत', 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2', 'हीरोपंती 2' जैसी फिल्मों में नजर आए। टाइगर जल्द ही एक्शन से भरपूर 'बागी' की फ्रैंचाइजी बागी 4 में नजर आएंगे। फिल्म में टाइगर के साथ संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू समेत अन्य कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे।ए. हर्षा के निर्देशन में बनी श्बागी 4श इस साल 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म का निर्माण किया है। इस फिल्म के साथ पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। जानकारी के अनुसार श्बागी 4 के अलावा टाइगर के पास हाउसफुल 5 भी है, जिसमें उनके साथ अभिनेता अक्षय कुमार के साथ ही अन्य सितारे भी अहम भूमिका में हैं।

दो युवकों ने बनाया कैटरीना कैफ के संगम स्नान का वीडियो, रवीना टंडन ने की कड़ी निंदा

एक्ट्रेस रवीना टंडन हाल ही में महाकुंभ गई थी, जहां उन्हें बेटी राशा थडानी के साथ देखा गया। इस दौरान कैटरीना कैफ भी महाकुंभ में मौजूद थीं और उन्होंने संगम में स्नान किया था। कैटरीना के स्नान के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिन्हें कई लोगों ने रिकॉर्ड किया। अब, इन्हीं में से एक वीडियो पर रवीना टंडन ने प्रतिक्रिया दी है। महाकुंभ के दौरान कैटरीना कैफ के स्नान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दो लड़के संगम में नहाते हुए सेल्फी वीडियो बना रहे हैं और मजाक में कहते हैं, ये मैं हूं, ये मेरा भाई है और ये कैटरीना कैफ है। वीडियो में दोनों हंसते हुए दिख रहे हैं, जिससे सोशल मीडिया यूजर्स नाराज हो गए हैं। कैटरीना कैफ महाकुंभ में पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आईं। उन्होंने अपनी सास के साथ संगम स्नान किया, रात को गंगा आरती में भाग लिया और भजन भी गाए। फैंस को कैटरीना का यह भक्ति भाव बहुत पसंद आया। इससे पहले वह शिरडी साईं बाबा मंदिर में दर्शन करने गई थीं। कैटरीना कैफ को हाल ही में फिल्म मैरी क्रिसमस में देखा गया था, जिसमें वह विजय सेतुपति के साथ लीड रोल में थीं। फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इससे पहले वह सलमान खान के साथ टाइगर 3 में नजर आई थीं। कैटरीना के महाकुंभ जाने और उनकी भक्ति में डूबी तस्वीरों ने जहां फैंस को प्रभावित किया, वहीं उनके वीडियो पर हो रहे फनी कमेंट्स और वायरल क्लिप्स ने एक नई बहस छेड़ दी है।

बड़े सुपरस्टार्स संग किया रोमांस, शादी के बाद एक्टिंग से लिया संन्यास, अब 21 साल बाद फिल्मों में कमबैक कर रहीं ये एक्ट्रेस

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस राम्भा, जो एक समय पर अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज करती थी, ने अचानक फिल्मों से दूरी बना ली थी। राम्भा के इंडस्ट्री से दूर जाने उनके फैंस काफी मायूस हो गए थे, लेकिन अब उनके फैंस के लिए खुशखबरी है, क्योंकि अब वह सिनेमा की दुनिया में अपने कदम वापस रखने जा रही हैं। राम्भा अब कमबैक के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राम्भा ने 2010 में शादी के बाद सिनेमा से दूरी बना ली थी और अपनी पर्सनल लाइफ में व्यस्त हो गईं। इस शादी से उन्हें तीन बच्चे हैं और वह अब अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताने लगीं, लेकिन अब वह अपने करियर को फिर से नया मोड़ देने के लिए तैयार हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने इस बारे में खुलासा किया और यह घोषणा की कि वह फिल्मों में वापसी करने जा रही हैं। राम्भा ने अपनी वापसी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "सिनेमा हमेशा से मेरा पहला प्यार रहा है। मुझे ऐसा लगता है कि अब समय आ गया है कि मैं कमबैक करूं और ऐसे रोल्स करूं जो मुझे एक एक्टर के तौर पर चौलेंजिंग लगे। मैं ऐसे रोल्स की तलाश में हूं जिनके मायने हों और जिनमें मेरी परफॉर्मेंस निखर कर आए। साथ ही, वह रोल्स ऐसे हों जिनसे मैं सीधे तौर पर अपने दर्शकों से जुड़ सकूं।"राम्भा 90 के दशक की एक मशहूर एक्ट्रेस रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड के कई बड़े सुपरस्टार्स जैसे अनिल कपूर, सलमान खान और गोविंदा के साथ स्क्रीन पर रोमांस किया है। राम्भा ने बॉलीवुड में जुर्माना, जल्लाद, घरवाली बाहरवाली, बंधन, क्रोध, बेटी नंबर 1, प्यार दिवाना होता है, क्योंकि मैं झूठ नहीं बोलता और जुड़वा जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा दिखा चुकी हैं और अब लंबे ब्रेक के बाद वह फिर से कमबैक करने के लिए उत्साहित हैं।

इस फिल्म से श्रद्धा कपूर बन गई थीं रातोंरात बड़ी स्टार, आज मना रहीं 38वां जन्मदिन

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर आज यानी की 03 मार्च को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस अपने मासूम, क्यूट लुक्स और सिजलिंग अदाओं का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। इनकी खूबसूरती पर हर कोई फिदा है। यह एक खूंखार विलेन शक्ति कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ–साथ शानदार सिंगर है। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

मुंबई में 03 मार्च 1987 को श्रद्धा कपूर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम शक्ति कपूर है, जोकि बॉलीवुड के खूंखार विलेन के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। वहीं उनकी मां का नाम शिवांगी कोल्हापुरे है। श्रद्धा कपूर ने अपनी शुरूआती पढ़ाई जमनाबाई नर्सरी स्कूल से और अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से की। फिर आगे की पढ़ाई के लिए श्रद्धा अमेरिका चली गईं और वहां पर बोस्टन यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया। श्रद्धा कपूर ने कॉफी शॉप पर भी काम किया। पढ़ाई के दौरान पढ़ाई खत्म होने के बाद एक्ट्रेस ने अपने फिल्मी करियर पर ध्यान देना शुरू किया।

फिल्मी करियर

साल 2010 में श्रद्धा कपूर ने फिल्म श्तीन पत्तीश से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। फिर बतौर लीड एक्ट्रेस साल 2013 में उन्होंने फिल्म श्आशिकी 2श में काम किया और वह बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हो गईं। इससे पहले श्रद्धा को पहला ऑफर महज 16 साल की उम्र में मिला था। दरअसल, सलमान खान ने श्रद्धा कपूर की एक्टिंग की तारीफ की थी। उन्होंने बोस्टन यूनिवर्सिटी में श्रद्धा कपूर को नाटक में परफॉर्म करते देखा था। जिसके बाद सलमान खान ने श्रद्धा कपूर को काम ऑफर किया था।

इस फिल्म से मिली पहचान

आशिकी 2 में श्रद्धा कपूर के अपोजिक आदित्य रॉय कपूर थे। इस म्यूजिकली हिट फिल्म से एक्ट्रेस रातों–रात स्टार बन गईं। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। श्रद्धा कपूर ने एक विलेन, हैदर, एबीसीडी 2, बागी, स्त्री, छिछोरे और तू झूठी मैं मक्कार जैसी शानदार फिल्मों में काम कर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई।

कियारा आडवाणी चाहती है अपने बेबी में करीना कपूर जैसी ये खूबियां, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल कियारा आडवाणी ने अपनी मेहनत और टैलेंट से इंडस्ट्री में खास जगह बनाई है। उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी की थी और अब दोनों जल्द ही पैरेंट्स बनने वाले हैं। खास बात ये है कि कियारा ने सालों पहले ही बता दिया था कि वो अपने बच्चे में करीना कपूर की कुछ खास खूबियां चाहती हैं। फिल्म गुड न्यूज में कियारा ने करीना कपूर के साथ काम किया था। इस दौरान एक प्रमोशनल इंटरव्यू में जब कियारा से पूछा गया कि वो अपने बच्चे में करीना की कौन–सी क्वालिटीज चाहेंगी, तो उन्होंने तुरंत जवाब दिया– तो जवाब में कियारा ने बोला की– करीना का कॉन्फिडेंस, एक्सप्रेशंस और उनका ऑरा। कियारा ने करीना की खूबियों की तारीफ करते हुए कहा था कि वो 10 ऑन 10 हैं और यही सब वो अपने बेबी में भी चाहती हैं। 28 फरवरी को कियारा ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर सबके साथ शेयर की थी। उन्होंने एक प्यारी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वो और सिद्धार्थ एक बच्चे के शूज हाथ में लिए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा हमारे जीवन का सबसे बड़ा गिफ्ट, जल्द आ रहा है। कियारा और सिद्धार्थ ने 7 फरवरी 2023 को शादी की थी। शादी के दो साल बाद अब ये कपल अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए तैयार है। उनकी प्रेग्नेंसी की खबर से फैंस बेहद खुश हैं और सभी उन्हें बधाइयां दे रहे हैं।

सहरी या इफ्तार पार्टी के लिए घर पर बनाएं चिकन समोसा रेसिपी, जानें जायकेदर डिश बनाने का तरीका

रमजान को इस्लामिक कैलेंडर का 9वां महीना कहा जाता है। रमजान के दौरान मुसलमान सुबह से शाम तक खाने–पीने से परेहज करते हुए रोजा रखते हैं। रोजे में सबसे ज्यादा जरुरी सहरी और इफ्तार है। आपको बता दें कि, सहरी वह भोजन है, जो सूरज निकलने से पहले फज्र की नमाज पढ़ने से पहले किया जाता है और इफ्तार वह भोजन है, डो सूरज डूबने के बाद मगारिब की नमाज के समय रोजा खोलने के लिए किया जाता है। ऐसे में आप भी इफ्तारी या फिर सहरी के लिए घर में बना सकते हैं जायकेदार चिकन समोसा।

चिकन समोसा बनाने के लिए सामग्री

– 12–15 समोसा पट्टी
– 2 चम्मच पानी
– 1 बड़ा चम्मच तेल तलने के लिए
– 3–4 लहसुन की कलियां बारीक कटी हुई
– 1/4 कप प्याज बारीक कटा हुआ
– 3 बड़े चम्मच बारीक कटी हुई हरी शिमला मिर्च
– 150 ग्राम चिकन कीमा
– नमक स्वादानुसार
– 1/2 चम्मच सूखा अजवाइन
– 1/4 चम्मच सफेद मिर्च पाउडर
– 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस
– 1/4 कप पनीर कद्दूकस किया हुआ

चिकन समोसा बनाने तरीका

चिकन समोसा बनाने के लिए सबसे पहले आप एक पैन में 1 बड़ा चम्मच तेल गर्म करें, उसमें लहसुन डालकर कुछ देर भून लें। इसके बाद पैन में प्याज डालकर उसे हल्का गुलाबी होने तक भून लीजिए। फिर पैन में शिमला मिर्च और चिकन कीमा डालकर एक मिनट तक भूनें, अब इसमें नमक, अजवायन, सफेद मिर्च पाउडर और नींबू का रस डाल दें। जब चिकन पक जाए तो उसे ठंडा कर लें। चिकन ठंडा होने के बाद इसमें कसा हुआ डालकर अच्छे से मिलाएं। अब पैदा को गूंथ लें। फिर समोसा पट्टी में एक बड़ा चम्मच भरावन रखकर उसे मोड़ते हुए सामोसा का आकार दें। ऐसा करते हुए आटे के पेस्ट का उपयोग करके सिरों को सील करें। इसी तरह सारे समोसे बनकर तैयार कर लें। एक पैन में तेल गर्म कर लें और मीडियम आंच पर समोसे के डीप फ्राई कर लें। यह लीजिए आपका टेस्टी चिकन समोसा तैयार है।

इफ्तार के लिए बनाएं ये 7 रिफ्रेशिंग ड्रिंक्स, बनें रहेंगे एनर्जेटिक

इस्लाम का पाक महीना रमजान 2 मार्च से शुरु हो गया है। रमजान के दौरान रोजा जरुर रख रहे होंगे। ऐसे में अगर आप इफ्तार के लिए हाइड्रेटिंग और रिफ्रेशिंग ड्रिंक बनाने के लिए सोच रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। रोजा खोलने के बाद अगर आपको इंस्टेंट एनर्जी के साथ रिफ्रेशिंग ड्रिंक जरुर पीना चाहिए। रोजा खोलते समय इन 7 तरह की हेल्दी ड्रिंक्स को आप घर पर बना सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए, आपको बताते हैं इसकी रेसिपी।

सौंफ–नींबू की ड्रिंक

इफ्तार के लिए आप सौंफ, नींबू का रस, काली मिर्च, काला नमक और पुदीने की पत्तियों और आइस क्यूब्स डालकर झटपट में इस ड्रिंक को बना सकते हैं। यह ड्रिंक आपको हाइड्रेट करेगी और बॉडी को डिटॉक्स करने में भी मदद करेगी।

नन्नारी शरबत

रोजा खोलने के बाद अगर आप भी एनर्जिटक बने रहना चाहते हैं, तो आप नन्नारी शरबत रिफ्रेशिंग ड्रिंक को बना सकते हैं। यह आपको एनर्जी देगी। इसे बनाने के लिए नन्नारी सीरप में पानी, आइस क्यूब, चीनी, नींबू का रस डलकर मिक्स कर दें और तैयार है टेस्टी नन्नारी शरबत।

लीची और गुलकंद का जूस

रोजा खोलने के बाद आप लीची और गुलकंद का जूस पी सकते हैं, यह काफी रिफ्रेशिंग होता है। इसे बनाने के लिए कुछ लीची, भीगे हुए सब्जा सीड्स, चीनी और गुलकंद लें। इसके साथ ही आइसक्यूब्स भी ले सकते हैं। अब मिक्सी के जर में लीची, गुलकंद, चीनी, बर्फ टुकड़े डालकर अच्छी तरह से ग्राइंड कर लें और आपका शरबत तैयार है। सर्व करने के लिए आप गिलास में भीगे सब्जा सीड्स के दाने कुछ ऊपर से डालें और शरबत में डालकर ठंडा–ठंडा पिएं।

खजूर शेक

इसे बनाने के लिए आपको खजूर और दूध चाहिए। खजूर शेक पीने से काफी एनर्जी मिलती है। इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले खजूर के बीज निकालकर दूध के साथ ग्राइंड कर लें। इसके साथ ही मनचाहे फल जैसे कि केला, चीकू डालें और मेवे भी डालकर ग्राइंड कर लें। फिर इसे ठंडा–ठंडा पिएं।

खस–खस का शरबत

इस दौरान अपनी बॉडी को हाइड्रेटिंग बनाने के लिए खस–खस का शरबत पी सकते हैं। यह काफी रिफ्रेशिंग होता है और इसे आप झटपट तैयार कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए खस सीरप, आइस क्यूब्स, पानी, काला नमक डालकर अच्छी तरह से ग्राइंड कर सकते हैं और ठंडा सर्व करें।

गुलाबी लस्सी

रोजा खोलने के बाद आप गुलाबी लस्सी पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको दही में रोज सीरप और चीनी डालकर अच्छे से ब्लेंड कर लें और इसे ठंडा–ठंडा सर्व करें।

एसिडिटी से तुरंत राहत पाने के लिए अपनाएं ये असरदार घरेलू नुस्खे, पेट की जलन होगी दूर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम सब जल्दी–जल्दी खाना खाते हैं, बाहर का तला–भुना खाना खाते हैं और तनाव से घिरे रहते हैं। इस वजह से एसिडिटी एक आम समस्या बन चुकी है। कभी–कभी यह इतनी ज्यादा परेशान करती है कि हम तुरंत राहत पाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं। लेकिन दवाइयों के साथ कई बार हमें कुछ दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। तो, क्या होगा अगर हम आपको कुछ आसान और घरेलू उपायों के बारे में बताएं, जो न सिर्फ सुरक्षित हैं, बल्कि तुरंत राहत भी देते हैं? इस लेख में हम ऐसे ही कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में बात करेंगे, जिन्हें आप बिना किसी चिंता के इस्तेमाल कर सकते हैं।

एसिडिटी के सामान्य कारण

एसिडिटी होने के कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य कारण हैं, जिनकी वजह से पेट में एसिड का लेवल बढ़ जाता है और एसिडिटी की समस्या उत्पन्न होती है। गलत तरीके से भोजन करना, ज्यादा तला–भुना या मसालेदार भोजन खाना। ज्यादा फास्ट फूड और जंक फूड खाने से पाचन प्रणाली पर बुरा असर पड़ता है। गलत लाइफस्टाइल और फिजिकल एक्टिविटी की कमी एसिडिटी का कारण बन सकती हैं।गलत समय खाने की आदतें एसिडिटी को बढ़ा सकती हैं।धूम्रपान और शराब का सेवन इन चीजों से एसिडिटी बढ़ सकती है।

एसिडिटी के सामान्य लक्षण

सीने में जलनः पेट का एसिड ऊपर की तरफ बढ़कर सीने में जलन पैदा कर सकता है।

खट्टी डकारेंः खाने के बाद खट्टी डकारें आना एसिडिटी का एक सामान्य लक्षण है।

पेट में दर्द और बेचैनीः एसिडिटी के कारण पेट में दर्द और हल्की जलन हो सकती है।

उल्टी या मतलीः एसिडिटी से पेट की हालत बिगड़ने पर उल्टी या मतली भी हो सकती है।

मुंह में खट्टा स्वादः एसिडिटी के कारण मुंह में खट्टा स्वाद आ सकता है।

एसिडिटी से तुरंत राहत पाने के लिए घरेलू नुस्खे

ठंडा दूधः ठंडा दूध पेट में एसिड को बेअसर करता है और एसिडिटी से तुरंत राहत दिलाता है। इसे पीने से पेट की जलन कम होती है।

अजवाइनः अजवाइन में थाइमोल नामक यौगिक पाया जाता है, जो पाचन में मदद करता है और एसिडिटी को कम करता है। आप अजवाइन को चबाकर या पानी में उबालकर पी सकते हैं।

तुलसीः तुलसी के पत्तों में शांत करने वाले गुण होते हैं, जो पेट की जलन को कम करने में मदद करते हैं। आप तुलसी के कुछ पत्तों को चबा सकते हैं या तुलसी की चाय पी सकते हैं।

सौंफः सौंफ पाचन क्रिया को बढ़ावा देती है और एसिडिटी को कम करती है। आप इसे चबा सकते हैं या इसे पानी में उबालकर पी सकते हैं।

जीराः जीरा एसिडिटी को कम करने में मदद करता है और पेट में एसिड को बेअसर करता है। आप इसे चबाकर या पानी में उबालकर पी सकते हैं।

अदरकः अदरक में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट की जलन को कम करते हैं। आप अदरक को चबा सकते हैं या अदरक की चाय पी सकते हैं।

नारियल पानीः नारियल पानी पेट में एसिड को बेअसर करने में मदद करता है, क्योंकि इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं जो शरीर को ठंडा रखते हैं।

केलाः केला एक प्राकृतिक एंटासिड के रूप में काम करता है। यह पेट में एसिड को बेअसर करता है और जलन को कम करता है।

दहीः दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पाचन तंत्र को संतुलित रखते हैं और एसिडिटी से राहत दिलाते हैं।

एसिडिटी से बचने के लिए सुझाव

नियमित रूप से छोटे भोजन करेंः दिन में छोटे–छोटे भोजन करना एसिडिटी को रोकने में मदद करता है।

तेल और मसालेदार भोजन से बचेंः तेल और मसालेदार खाने से एसिडिटी बढ़ सकती है, इसलिए इससे बचने की कोशिश करें।

फास्ट फूड और जंक फूड से बचेंः इन खाद्य पदार्थों में ज्यादा तेल और मसाले होते हैं, जो एसिडिटी को बढ़ाते हैं।

तनाव कम करेंः मानसिक तनाव से बचें और योग या ध्यान जैसी तकनीकों का पालन करें।

धूम्रपान और शराब से बचेंः धूम्रपान और शराब का सेवन पाचन को प्रभावित करता है और एसिडिटी को बढ़ाता है।

पर्याप्त नींद लेंः शरीर को पूरा आराम देने के लिए पर्याप्त नींद लें ताकि आपका पाचन तंत्र सही से काम कर सके।

इन उपायों को अपनाकर आप न केवल तुरंत राहत पा सकते हैं, बल्कि अपने पाचन तंत्र को भी स्वस्थ रख सकते हैं। यदि समस्या अधिक बढ़े तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

दूध में मिलाकर लगा ले ये एक चीज, फ्रिजी बालों को बनाएं मुलायम और शाइनी

रूखेपन, नमी और पोषण की कमी के कारण बाल अक्सर सूखे और उलझे हुए नजर आते हैं। जब बाल फ्रिजी होते हैं, तो उनकी चमक भी गायब हो जाती है। ऐसे में चाहे आप कितना भी अच्छा आउटफिट पहन लें, अगर बाल अच्छे नहीं दिखते, तो सारी खूबसूरती फीकी लगने लगती है। इस समस्या से निपटने के लिए, यहां कुछ आसान हेयर मास्क दिए गए हैं जो आपके बालों को मुलायम और शाइनी बनाये रखने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, जानिए दूध में क्या मिलाकर उसे बालों में लगाने से आपको बेहतरीन रिजल्ट मिल सकते हैं।

दूध और शहद

दूध और शहद का कॉम्बिनेशन बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए एक कटोरी में दूध लें और उसमें 1 से 1.5 चम्मच शहद डालें। फिर इस मिक्सचर को बालों पर अच्छी तरह लगाकर 20–25 मिनट तक छोड़ दें। उसके बाद धो लें। इससे बाल मुलायम और शाइनी हो जाते हैं जैसे सैलून से निकले हुए बाल।

केले का हेयर मास्क

केला बालों को बहुत अच्छा मॉइश्चर देता है और फ्रिजी बालों को सॉफ्ट बनाता है। एक पका हुआ केला लें, उसे मैश कर लें और उसमें थोड़ा ऑलिव ऑयल या नारियल तेल और थोड़ा दूध मिलाएं। इस मिश्रण को बालों में लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। ध्यान रखें कि तेल अच्छे से डालें, वरना केला बालों में चिपक सकता है।

अंडे का हेयर मास्क

अंडे से बालों को बहुत फायदा होता है, क्योंकि इसमें प्रोटीन होता है जो बालों को पोषण देता है। एक अंडा लें और उसमें थोड़ा दही मिलाएं। इस मिश्रण को बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक अच्छे से लगाएं और आधे घंटे के लिए छोड़ दें। इससे बाल मुलायम होते हैं और सूखे बालों को नमी भी मिलती है।

एलोवेरा हेयर मास्क

एलोवेरा बालों के लिए बहुत अच्छा है। ताजे एलोवेरा के गूदे या एलोवेरा जेल में शहद मिलाकर बालों में लगाएं। इससे बालों को नमी मिलती है और वो मुलायम हो जाते हैं। इस मास्क को हफ्ते में एक बार लगाकर देख सकते हैं।

नोटः ये सभी जानकारी सामान्य जानकारी के लिए है, कोई मेडिकल सलाह नहीं।

ये कुछ आसान और घरेलू उपाय हैं जो आपके बालों को मुलायम और शाइनी बनाये रखने में मदद कर सकते हैं। ध्यान रखें, अगर आपको किसी चीज से एलर्जी हो तो पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

फॉर्मल ड्रेस के साथ पहनने के लिए बेस्ट हैं ये लेटेस्ट ऑफिस शूज, लोग देखते ही करेंगे तारीफ

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफ में खुद के लिए समय निकालना काफी मुश्किल हो गया है। वहीं रोजाना ऑफिस जाने वाली लड़कियां हर रोज नए लुक क्रिएट करना चाहती हैं। क्योंकि रोजाना एक जैसे कपड़े और फुटवियर पहनकर जाने में काफी शर्मिंदगी महसूस होती है। ऐसे में अगर आप भी अपने लुक को पहले से ज्यादा खूबसूरत और अलग नजर आना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इसलिए आज इस आर्टिकल के हम आपको फॉर्मल ड्रेस के साथ पहनने के लिए बेहतरीन शूज के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऑफिस के लिए फुटवियर

अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए आप अपनी फॉर्मल ड्रेस के साथ व्हाइट कलर के टेक्सचर लोफर कैरी कर सकती हैं। यह शूज आपके आउटफिट को बेहतर बनाने में मदद करेगी। वहीं हर कोई आपके स्टाइलिश लोफर की तारीफ करेगा। यह शूज आपको 2,300 से 2,500 रुपए तक में आसानी से मिल जाएंगे। व्हाइट शूज पहनकर आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएंगी।

ब्लॉक्ड लोफर शूज

अपना लुक चेंज करने के लिए आप कलर ब्लॉक्ड लोफर शूज ट्राई कर सकती है। यह आपको नया लुक देंगे और साथ ही इन शूज की बनावट देखकर हर कोई आपसे इनके बारे में जरूर बात करेगा। आप 1100 रुपए में यह शूज ऑनलाइन खरीद सकती हैं। आप फॉर्मल ड्रेस के साथ इन शूज को अपने ऑफिस में पहन कर जा सकती है।

लाइटवेट कंफर्ट इनसोल म्यूल लोफर

अगर आप भी ऑफिस पहनकर जाने के लिए खूबसूरत और आरामदायक फुटवियर तलाश कर रहे हैं, तो आप लाइटवेट कंफर्ट इनसोल म्यूल लोफर ट्राई कर सकते हैं। यह आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है। आप ऑनलाइन इसको 800 रुपए तक खरीद सकती हैं। वहीं आपको यह हर साइज में मिल जाएंगे। आप चाहें तो अपनी पसंद के हिसाब से कलर भी चूज कर सकते हैं। आप एथनिक ड्रेस के साथ इन लोफर शूज को शामिल कर सकती हैं।

स्लीप ऑन लोफर

अगर आप भी एक जैसे शूज पहनकर बोर हो गई हैं, जो आप स्लीप ऑन लोफर ट्राई कर सकती हैं।

संक्षिप्त

आने वाले वर्षों में परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगी: नागेश्वरन

नयी दिल्ली । मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि आने वाले वर्षों में परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगी। उन्होंने आईजीपीसी – आईआईएमए वार्षिक स्वर्ण और स्वर्ण बाजार सम्मेलन 2025 में कहा कि सोना न केवल मूल्य के रूप में, सांस्कृतिक और धार्मिक उद्देश्यों के रूप में, बल्कि एक महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो विविधीकरण तंत्र के रूप में भी प्रासंगिक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि जब तक कि दुनिया मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक गैर–प्रणाली से अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली तक पहुंचने में सक्षम नहीं हो जाती, तब तक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने का महत्व बना रहेगा। पिछले तीन महीनों में सोने का मूल्य 200 डॉलर प्रति औंस या आठ प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2,860 डॉलर प्रति औंस हो गया है। नागेश्वरन ने यह भी उम्मीद जताई कि भारत अपने पास मौजूद सोने की परिसंपत्तियों को उत्पादक रूप से उपयोग करने के तरीके खोजेगा।

कोल इंडिया ने 2024–25 में 78.8 करोड़ टन उत्पादन का लक्ष्य रखा, कीमतों में कटौती से इनकार

कोलकाता, एजेंसी। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024–25 में उसका उत्पादन 78.8 करोड़ टन रहेगा और इस दौरान उठाव 76.5 करोड़ टन रहने की उम्मीद है। कंपनी के चेयरमैन पी एम प्रसाद ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीआईएल ने इससे पहले चालू वित्त वर्ष में 83.8 करोड़ टन उत्पादन का लक्ष्य तय किया था, जिसे बाद में संशोधित कर 81 करोड़ टन कर दिया गया था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023–24 में 77.36 करोड़ टन उत्पादन किया, जो

सालाना आधार पर 10 प्रतिशत अधिक था। एमजंक्शन द्वारा आयोजित कोयला बाजार सम्मेलन में प्रसाद ने कहा कि बड़ी खदानों में रेक की कमी के चलते उठाव में सुस्ती आई, लेकिन आने वाले महीनों में वृद्धि अच्छी रहेगी। मौजूदा अनुमानों के आधार पर इस साल उत्पादन और उठाव दोनों में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। प्रसाद ने कहा कि कुंभ मेले के कारण रेक की उपलब्धता सीमित थी, लेकिन रेलवे के साथ चर्चा के बाद रेक की उपलब्धता में सुधार हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर कोयले की कीमतों में नरमी के बारे में पूछने पर प्रसाद ने कहा कि सीआईएल द्वारा कीमतों में कमी नहीं की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोल इंडिया का उद्देश्य वाणिज्यिक खदानों के साथ प्रतिस्पर्धा करना नहीं, बल्कि उनका पूरक बनना है।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी में 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंची : पीएमआई

नयी दिल्ली, एजेंसी। नये ठेके और उत्पादन में कम वृद्धि के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है। हालांकि, विनिर्माण पीएमआई विस्तारकारी क्षेत्र में बना हुआ है। पीएमआई की में 50 से ऊपर अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है। एचएसबीसी के भारत मेंमुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, हालांकि, दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कुल मिलाकर गति फरवरी में व्यापक रूप से सकारात्मक रही। सर्वेक्षण में कहा गया कि जनवरी के 14 साल के उच्चतम स्तर से कम होने के बावजूद विस्तार की गति तेज थी। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि फरवरी में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि हुई, क्योंकि निर्माताओं ने अपने माल की मजबूत वैश्विक मांग का लाभ उठाना जारी रखा। नौकरी के मोर्चे पर, विनिर्माताओं ने फरवरी में अपने कर्मचारियों की संख्या में विस्तार करना जारी रखा।

निवेश: बाजार में गिरावट के बाद भी बंद न करें एसआईपी, चक्रवृद्धि ब्याज की शक्ति में रखें भरोसा

शेयर बाजार में गिरावट लगातार जारी है। सेंसेक्स और निफ्टी 27 सितंबर, 2024 के बाद से अब तक क्रमशः 14.86 फीसदी और 15.80 फीसदी टूट चुके हैं। ऐसे में सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसा लगाने वाले निवेशकों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि क्या उन्हें अपना निवेश जारी रखना चाहिए या बंद कर देना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि गिरते बाजार के कारण एसआईपी बंद नहीं करना चाहिए। जो निवेशक चक्रवृद्धि ब्याज की शक्ति में भरोसा करते हैं, उन्हें बाजार में गिरावट को अवसर मानकर लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न पाने के लिए अपना निवेश बढ़ा देना चाहिए। निवेश सलाहकार स्वीटी मनोज जैन का कहना है कि एसआईपी निवेश का सिर्फ एक तरीका है। आखिरकार, आपका पैसा किसी फंड में जाता है, इसलिए बाजार में गिरावट के बीच यह मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण हो जाता है कि आपने सही फंड में निवेश किया है, जो आपके वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम क्षमता के अनुरूप है। बाजार में गिरावट के दौरान निवेशकों को अधिक संख्या में म्यूचुअल फंड यूनिट मिलते हैं, जिससे उनकी औसत लागत घट जाती है। बाजार में जब सुधार होता है, तो निवेशकों को एकतरफा तेजी वाले बाजार की तुलना में अधिक रिटर्न मिलता है।

दुबई में भारत को हो रहा फायदा ? रोहित ने आलोचकों को दिया करारा जवाब, कहा- यह हमारा घरेलू मैदान नहीं

दुबई, एजेंसी। कप्तान रोहित शर्मा ने चौंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी मैच दुबई में खेलने के कारण भारत को अनुचित लाभ मिलने की आलोचना करते हुए कहा कि यह उनका घरेलू मैदान नहीं है। उन्होंने कहा कि दुबई की पिचों ने उनकी टीम के लिए अलग–अलग चुनौतियां पेश की हैं। पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के कई पूर्व खिलाड़ियों ने चौंपियंस ट्रॉफी की पूरी अवधि के लिए भारत के दुबई में रहने पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि इस कदम से उन्हें ग्रुप ए में अन्य टीमों की तुलना में परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का बेहतर मौका मिला है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले कहा, हर बार पिच आपको अलग–अलग चुनौतियां दे रही है। हमने यहां जो तीन मैच खेले हैं, उनमें पिच का व्यवहार अलग रहा है। यह हमारा घर नहीं है, यह दुबई है। हम यहां इतने सारे मैच नहीं खेलते हैं और यह हमारे लिए भी नया है। रोहित ने कहा कि उनकी टीम को ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अंतिम चार मैच के दौरान जल्दी से अनुकूल परिस्थितियों को अपनाने की जरूरत है।

चार या पांच सतहों का उपयोग किया जा रहा

उन्होंने कहा, यहां चार या पांच सतहों का उपयोग किया जा रहा है। देखिए, मुझे नहीं पता कि सेमीफाइनल में कौन सी पिच खेली जाएगी। लेकिन कुछ भी हो, हमें इसके अनुकूल ढलना होगा और देखना होगा कि क्या हो रहा है और क्या नहीं। और हम उसी पर खेलेंगे। रोहित ने अपनी बात पर जोर देने के लिए रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के आखिरी ग्रुप ए मैच का हवाला दिया।

हम नहीं जानते आगे क्या होने वाला है

उन्होंने कहा, हमने देखा कि जब (न्यूजीलैंड के) गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे थे तो गेंद थोड़ी स्विंग कर रही थी। पहले दो मैचों में जब हमारे गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे थे तो हमने ऐसा नहीं देखा। पिछले गेम में हमें उतनी स्पिन देखने को नहीं मिली थी, लेकिन रविवार को इसमें थोड़ी स्विंग थी।श उन्होंने कहा, श्तो, हर सतह पर अलग–अलग चीजें हो रही हैं। इसलिए, ऐसा नहीं है कि हम जानते हैं कि इस पिच पर क्या होने वाला है और क्या नहीं होने वाला है।

गेंदबाजों के लिए कुछ मदद वाली पिच हो

भारतीय कप्तान ने कहा कि गेंदबाजों के लिए कुछ मदद वाली पिच मुकाबले को और अधिक रोमांचक बना देगी। उन्होंने कहा, अगर इसमें गेंदबाजों के लिए भी कुछ है, तो यह मैच को बहुत दिलचस्प बनाता है। मैं इसके पक्ष में हूं। जब आपके पास ऐसी सतहें होती हैं जो चुनौतीपूर्ण होती हैं, चाहे वह स्पिन के साथ हो या सीम के साथ, आप ऐसा करना चाहते हैं। आप एक अच्छी प्रतिस्पर्धा चाहते हैं।

पांच स्पिनरों के चयन पर रोहित ने दिया बयान

रोहित ने इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए भारतीय टीम में पांच स्पिनरों के चयन पर बात करते हुए कहा कि उन्हें दुबई की पिचों के बारे में कुछ जानकारी थी क्योंकि वे यहां आईएलटी20 पर नजर रख रहे थे। उन्होंने कहा, श्यहां की सतह को देखते हुए, पिछले दो महीनों में दुबई में जो कुछ हुआ है उसके बारे में सुनकर, हम जानते थे कि सतहें धीमी होने वाली हैं। हम ILT20 देख रहे थे जो यहां खेला गया था और हमने सोचा कि धीमे गेंदबाज यहां अधिक मददगार होंगे। उन्होंने कहा, अगर एक अतिरिक्त बल्लेबाज की जरूरत है तो हमारे पास ऋषभ (पंत) मौजूद हैं। इसलिए, हमने सोचा कि स्पिन के एक अतिरिक्त विकल्प के साथ, हमेशा एक मौका है कि हम उन लोगों को खेल सकते हैं।

समय से पहले पहुंचने से मिली मदद

37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि समय से पहले दुबई पहुंचने से टीम को यहां की परिस्थितियों के अनुरूप ढलने में मदद मिली। रोहित ने कहा, हमारे लिए इन परिस्थितियों में जल्दी से ढलना महत्वपूर्ण था। सौभाग्य से हम यहां पांच या छह दिन पहले आए थे। हमारे पास अच्छे प्रशिक्षण सत्र थे और (आईसीसी) अकादमी की पिचें काफी हद तक वैसी ही थीं जैसी हमें यहां मिलने वाली हैं। इसलिए, जब आप किसी भी सतह पर खेलते हैं तो उसके अनुकूल ढलना महत्वपूर्ण होता है और हमने तीनों मैचों में बहुत अच्छी तरह से पिच के अनुकूल खेला है।

सेमीफाइनल में भिड़ेंगे भारत और ऑस्ट्रेलिया, जानें दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड

चौंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। दुबई में खेले जाने वाले पहले सेमीफाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आमने–सामने होंगी। आईसीसी वनडे इवेंट्स के नॉकआउट मैचों में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें 6 बार आमने–सामने हो चुकी हैं। इस तरह भारत और ऑस्ट्रेलिया 7वीं बार आईसीसी वनडे इवेंट्स के नॉकआउट मैच में भिड़ेंगी। मंगलवार, 4 मार्च को

चौंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। दुबई में खेले जाने वाले पहले सेमीफाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आमने–सामने होंगी। आईसीसी वनडे इवेंट्स के नॉकआउट मैचों में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें 6 बार आमने–सामने हो चुकी हैं। इस तरह भारत और ऑस्ट्रेलिया 7वीं बार आईसीसी वनडे इवेंट्स के नॉकआउट मैच में भिड़ेंगी। जानें आईसीसी वनडे इवेंट्स

के नॉकआउट मैचों में किसका पलड़ा भारी रहा है? आईसीसी वनडे इवेंट्स के नॉकआउट मैचों में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 3 बार हराया है। चौंपियंस ट्रॉफी 1998 क्वॉटर फाइनल में दोनों टीमें पहली बार भिड़ीं। जिसमें भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 44 रनों से हरा दिया। चौंपियंस ट्रॉफी 2000 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 20 रनों से हराया। इसके बाद वनडे वर्ल्ड कप 2011 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने भारतको आईसीसी वनडे इवेंट्स के नॉकआउट मैचों में 3 बार हराया है। वनडे वर्ल्ड कप 2003 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 125 रनों से हराया। इसके बाद वनडे वर्ल्ड कप 2015 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को हराया। इसके अलावा वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हरा दिया।

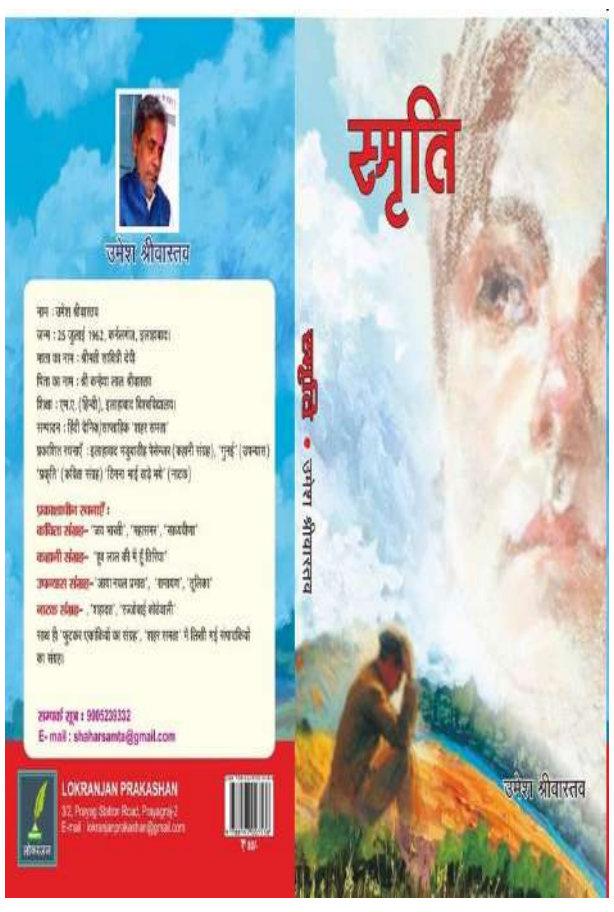

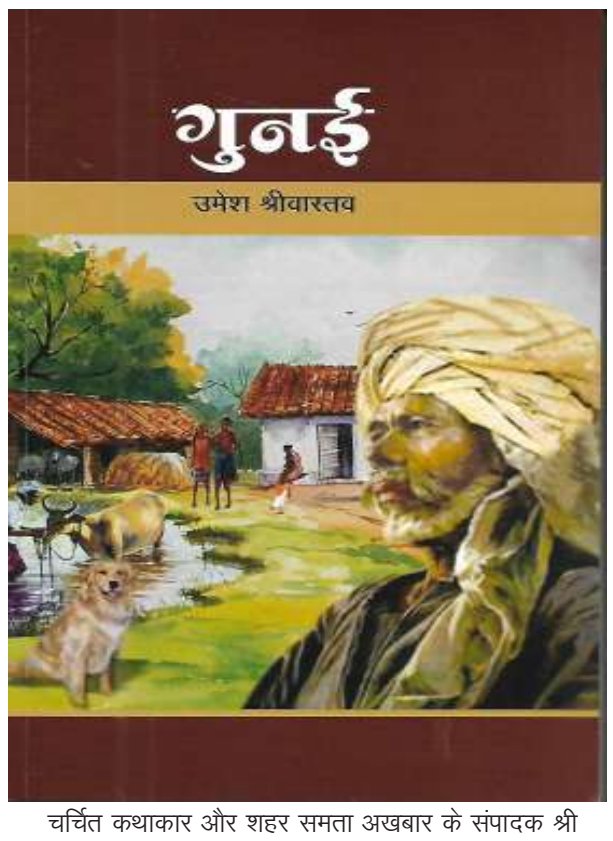

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

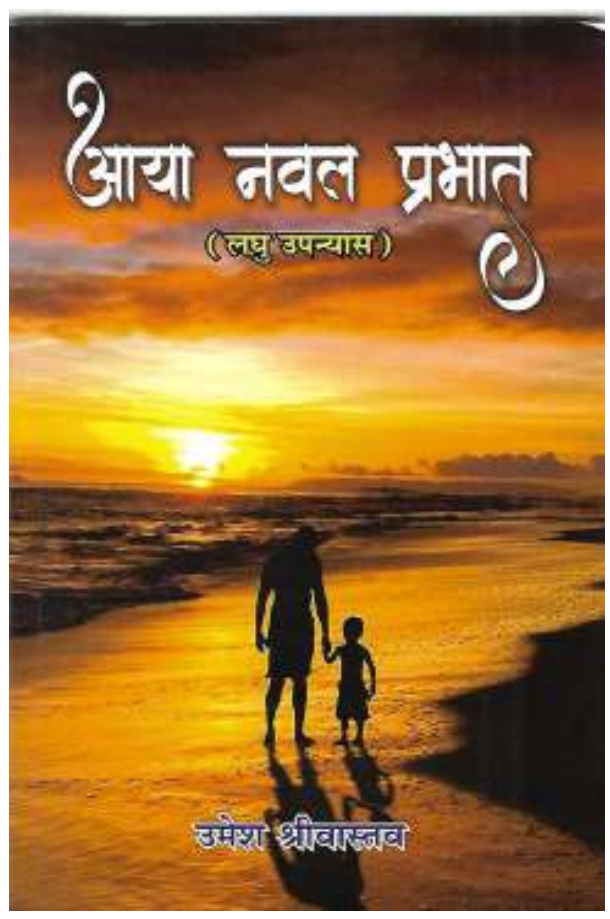

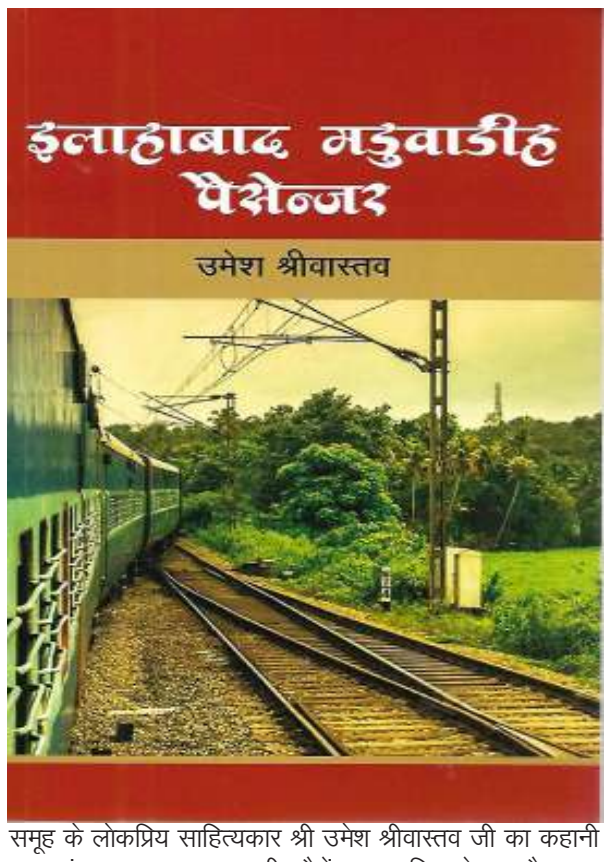

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

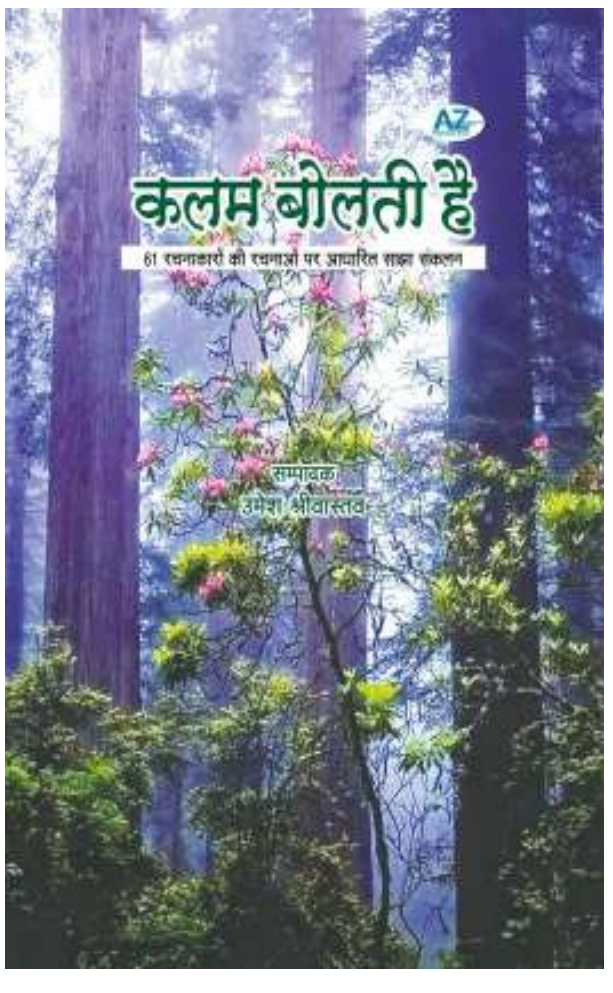

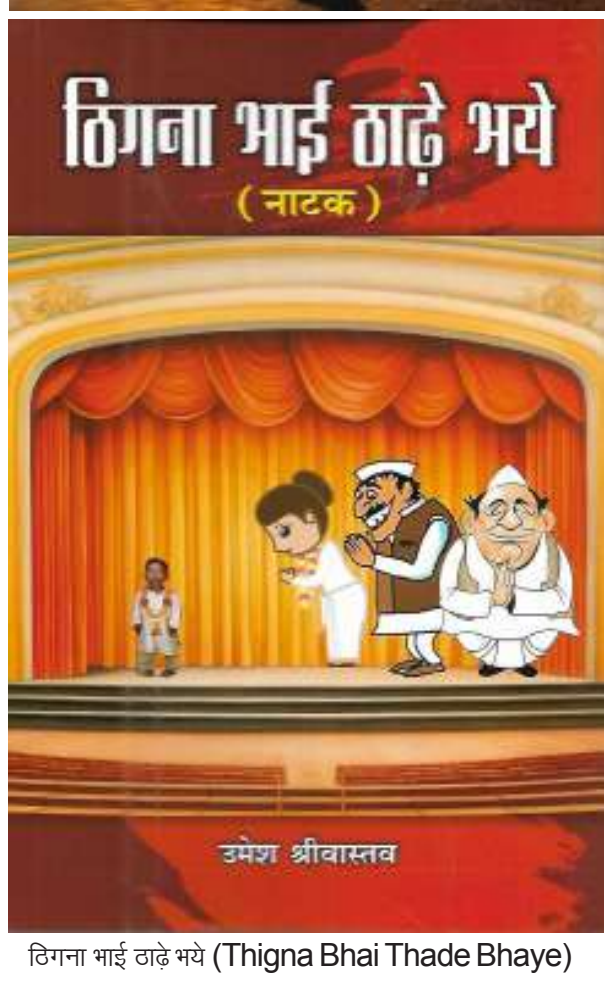

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

यूक्रेन में युद्ध के खात्मे पर चर्चा, ब्रिटेन ने वायु रक्षा के लिए वित्तपोषण का वादा किया

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने रविवार को कहा कि वह अमेरिका को एक अविश्वसनीय सहयोगी के रूप में नहीं देखते हैं, लेकिन यूरोप को यूक्रेन को धन मुहैया कराना जारी रखना चाहिए ताकि शांति वार्ता के लिए उसे मजबूत स्थिति में रखा जा सके। लंदन में अन्य यूरोपीय और विश्व नेताओं के साथ सुरक्षा शिखर सम्मेलन के समापन अवसर स्टार्मर ने कहा कि कोई भी शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास व कार्यालय) में हुई वार्ता को विफल होते नहीं

देखना चाहता था, लेकिन अमेरिका एक महत्वपूर्ण सहयोगी बना हुआ है। स्टार्मर ने कहा, ''अमेरिका कई दशकों से ब्रिटेन का भरोसेमंद सहयोगी रहा है और आगे भी बना रहेगा। हमारे दोनों देशों के बीच जितने घनिष्ठत संबंध हैं, इतने किसी भी अन्य दो देशों के बीच आपस में गहरे संबंध नहीं हैं।'' स्टार्मर ने कहा कि यूक्रेन में शांति के लिए वह जिस योजना पर काम कर रहे हैं, उसे अमेरिका का समर्थन मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन के लिए पांच हजार वायु रक्षा मिसाइलों की आपूर्ति के लिए वित्तपोषण के क्रम में 1.6 अरब पाउंड (दो अरब अमेरिकी डॉलर) का उपयोग करेगा।

चार्ल्स के साथ बैठक में कनाडा को अमेरिका में मिलाने की ट्रंप की धमकी का मुद्दा उठाएंगे ट्रूडो

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय से सोमवार को मुलाकात के दौरान कनाडा को 51वां राज्य बनाने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ''धमकियों'' पर चर्चा करेंगे। कनाडा को अमेरिका में मिलाने की ट्रंप की धमकियों पर चुप्पी साधने के कारण महाराजा की कनाडा में आलोचना हो रही है। ट्रूडो ने रविवार को लंदन में कहा कि वह चार्ल्स के साथ कनाडाई लोगों

से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा, ''कनाडाई लोगों के लिए इस समय एक राष्ट्र के रूप में हमारी संप्रभुता और हमारी स्वतंत्रता के लिए खड़े होने से अधिक महत्वपूर्ण कुछ नहीं है।'' चार्ल्स कनाडा में राष्ट्र प्रमुख हैं। कनाडा पूर्व उपनिवेशों के ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का सदस्य है। कनाडा में राजशाही विरोधी आंदोलन बहुत व्यापक नहीं है लेकिन ट्रंप की धमकियों पर महाराजा की चुप्पी ने हाल के दिनों में इस मामले पर चर्चा को बढ़ावा दिया है।

पाकिस्तान के पूर्वी हिस्से में अवैध रूप से रखे गए भालू को मुक्त कराया गया

पाकिस्तान के पूर्वी हिस्से में अवैध रूप से रखे गए रॉकी नाम के एक काले भालू को मुक्त कराया गया जिसे उपचार के लिए इस्लामाबाद ले जाया गया है। पशु कल्याण से जुड़े एक संगठन ने रविवार को यह जानकारी दी। सात वर्षीय भालू को पंजाब प्रांत में अवैध रूप से रखा गया था। भालुओं की लड़ाई के खेल की 35 प्रतियोगिताओं में उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। स्थानीय अधिकारियों ने उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए हस्तक्षेप किया। पशु चिकित्सक डॉ. आमिर खलील ने कहा, ''हम उसकी जंजीर तथा नाक में लगे छल्ले को खोलने और काटने में सफल रहे। हालांकि, उसकी हालत ठीक है लेकिन उसके जबड़े में 'फ्रैक्चर' है और उसके दांत नहीं हैं।'' खलील ने कहा कि पाकिस्तान में भालू की लड़ाई अवैध है, लेकिन देश के कुछ हिस्सों में अभी भी इसका चलन है।

इजराइल ने गाजा पट्टी में राहत सामग्री की अपूर्ति और सहायता पर रोक लगाई

तेल अवीव । इजराइल ने गाजा पट्टी में सभी तरह की राहत सामग्री की आपूर्ति और मानवीय सहायता पर रोक लगाने के साथ चेतावनी दी कि यदि हमास ने संघर्ष विराम के विस्तार के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो उसे अतिरिक्त परिणाम भुगतने होंगे। हमास ने इजराइल पर नाजुक संघर्ष विराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता बंद करने का उसका फैसला जबरन वसूली का घटिया हथकंडा, युद्ध अपराध और (संघर्ष विराम) समझौते पर हमला है। इजराइल–हमास के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी। दोनों पक्षों के बीच अभी दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है, जिसमें इजराइल के अपनी सेना वापस बुलाने और स्थायी युद्ध विराम के बदले में हमास दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करेगा। एक इजराइली अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि सहायता निलंबित करने का निर्णय ट्रंप प्रशासन के समन्वय से लिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कार्यालय ने रविवार सुबह कहा कि इजराइल 'पासओवर' या 20 अप्रैल तक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में है। इसने कहा कि यह प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पश्चिम एशिया के दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से आया है। नेतन्याहू के कार्यालय के मुताबिक, प्रस्ताव के तहत आधे बंधकों को, चाहे वे जीवित हों या मृत, पहले दिन छोड़ा जाएगा और अगर स्थायी युद्ध विराम पर सहमति बन जाती है तो बाकी को रिहा कर दिया जाएगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

भड़काएं तो भड़कना मत, ट्रंप से मुलाकात से कई घंटे पहले ही मिल गई थी चेतावनी, फिर भी चूक कर गए जेलेंस्की

वॉशिंगटन। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बीते हफ्ते ओवल ऑफिस में हुई तीखी बहस पूरी दुनिया ने देखी। इस बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप ने जेलेंस्की को जमकर खरी–खोटी सुनाई। हालांकि ट्रंप से मुलाकात के कई घंटे पहले ही जेलेंस्की को इस संबंध में चेतावनी मिल चुकी थी, लेकिन जेलेंस्की ने इस सलाह को हल्के में लिया और फिर उसका परिणाम दुनिया ने देखा। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, रिपब्लिकन पार्टी की दक्षिण केरोलिना से सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को ट्रंप से मुलाकात के कई घंटे पहले ही सलाह दी थी कि अगर बातचीत के दौरान कोई ऐसा मुद्दा आए, जिसमें उन्हें कुछ आलोचना का सामना करना पड़े तो वे प्रतिक्रिया देने से बचें। मतलब कि अगर उन्हें उकसाया जाए तो वे नाराज न हों और संयत होकर हालात को संभालें। हालांकि सलाह मिलने के बावजूद यूक्रेनी राष्ट्रपति चूक कर गए और जब बैठक में रूस–यूक्रेन युद्धविराम की बात आई तो दोनों तरफ से जमकर जुबानी तीर चले और बातचीत पटरी से उतर गई।

सलाह मानी होती तो यहां ध्यान देकर विवाद टाल सकते थे जेलेंस्की

गौरतलब है कि ट्रंप बार–बार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि यूक्रेन को मास्को के साथ शांति समझौते पर बातचीत करनी चाहिए। हालांकि इसे लेकर यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगी असहज हैं। इसे लेकर ट्रंप खुश नहीं हैं। जब जेलेंस्की बातचीत के लिए ओवल ऑफिस पहुंचे तो ट्रंप ने पहले जेलेंस्की की पोशाक को लेकर मजाक किया और कहा कि श्आप पूरी तरह से तैयार होकर आए हैंश। हालांकि उस वक्त जेलेंस्की बात को संभाल गए और मुस्कुराकर रह गए। इसके बाद जब बैठक शुरू हुई, तो सबकुछ सही चल रहा था और दोनों नेताओं के बीच पूरी विनम्रता से बातचीत हो रही थी। इस बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस बातचीत में शामिल हुए और उन्होंने यूक्रेनी नेता पर अमेरिका द्वारा की जा रही मदद के प्रति कृतज्ञ न होने का आरोप लगाया और यूक्रेनी कूटनीति पर सवाल उठाए। यहां जेलेंस्की चूक कर गए और उन्होंने पलटकर जेडी वेंस से सवाल किया कि किस तरह की कूटनीति, जेडी? जेलेंस्की के इस बयान को वेंस ने सीधी चुनौती के तौर पर लिया और वेंस ने जेलेंस्की पर अमेरिकी राष्ट्रपति का अनादर करने का आरोप लगा दिया। इसके बाद ट्रंप ने भी आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया और जेलेंस्की को खूब सुनाया। तनाव तब चरम पर पहुंच गया जब जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि रूसी आक्रमण अमेरिका के लिए भी एक दीर्घकालिक खतरा है। जेलेंस्की ने कहा, श्आपके पास अच्छा समुद्र है और आप अभी खतरा महसूस नहीं करते हैं, लेकिन आप इसे भविष्य में महसूस करेंगे।श ट्रंप के लिए इतना ही काफी था और उन्होंने जेलेंस्की पर तीखे जुबानी हमले किए और इसके बाद बैठक को अचानक समाप्त कर दिया।

पुतिन के बारे में चिंता कम करें, प्रवासी गिरोहों पर ध्यान दें, डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोप पर तंज

यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ सार्वजनिक विवाद के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प फिलहाल युरोप के नेताओं के निशाने पर हैं। युरोप के नेता ट्रम्प पर रूस के साथ निकटता बढ़ाने का आरोप लगा रहे है। यूरोपीय नेता वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ मजबूती से खड़े नजर आ रहे हैं। इन सबके बीच ट्रम्प ने युरोप पर चुटकी ली है। अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा, हमें पुतिन के बारे में चिंता करने में कम समय बिताना चाहिए, और प्रवासी बलात्कार गिरोहों, ड्रग माफियाओं, हत्यारों और हमारे देश में प्रवेश करने वाले मानसिक संस्थानों के लोगों के बारे में चिंता करने में अधिक समय बिताना चाहिए – ताकि हम यूरोप की तरह न बनें! उनकी टिप्पणी तब आई जब व्हाइट हाउस में पत्रकारों के सामने ट्रम्प और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा ज़ेलेंस्की को डांटे जाने के बाद यूरोपीय नेताओं ने ज़ेलेंस्की के आसपास रैली की, जो युद्ध और रूस के प्रति घनिष्ठ संबंधों के प्रति उनके दृष्टिकोण में एक बड़े बदलाव का संकेत था। विवाद से पहले भी, ट्रम्प ने रूस के साथ घनिष्ठ संबंधों और आर्थिक सहयोग का आह्वान किया था, जिससे पूरे यूरोप में सदमे की लहर फैल गई और उन्हें इस संभावना के साथ छोड़ दिया गया कि अमेरिका यूक्रेन के लिए अपना समर्थन रद्द कर सकता है। शुक्रवार को 'ओवल ऑफिस' में बैठक में दौरान जेलेंस्की और ट्रंप तथा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की बीच तीखी बहस हुई थी। नेताओं के बीच हुई बहस के बाद वाशिंगटन और कीव के बीच एक आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो सके। इस विवाद के कारण यूक्रेन के साथ रिश्ते का भविष्य सवालों के घेरे में आ गया है। साथ ही संघर्ष के समाप्त होने की संभावना भी खतरे में पड़ गई है जो फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण के बाद शुरू हुआ था। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने कहा कि व्हाइट हाउस में ज़ेलेंस्की का व्यवहार अपमानजनक था। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि शुक्रवार को जो हुआ उसके बाद राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की इस युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से बातचीत करने और समझौता करने के लिए तैयार हैं या नहीं। वाल्ट्ज ने कहा कि युद्ध को बातचीत के माध्यम से समाप्त करने के लिए यूक्रेन से क्षेत्रीय रियायतें और साथ ही सुरक्षा गारंटी पर रूसी रियायतें शामिल होंगी, लेकिन उन्होंने इस बारे में कोई और विवरण नहीं दिया कि मॉस्को को क्या करना होगा। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने भी इस सुझाव को दोहराया कि ज़ेलेंस्की को पद से हटना पड़ सकता है। जॉनसन ने कहा, या तो उन्हें होश में आना चाहिए और कृतज्ञता के साथ बातचीत की मेज पर वापस लौटना चाहिए, या किसी और को देश का नेतृत्व करके ऐसा करना चाहिए।

हसीना शासन के `अत्याचारों' के रिकॉर्ड को संरक्षित करना महत्वपूर्ण : यूनुस

ढाका । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रशासन के दौरान किए गए कथित अत्याचारों के दस्तावेजों को ''सावधानीपूर्वक संरक्षित'' करने का आह्वान किया है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के दौरान यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि उचित अभिलेखीय प्रणाली के बिना ''सच्चाई जानना और न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है।'' मुख्य सलाहकार की 'प्रेस शाखा' द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र की 'रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर' ग्वेन लुईस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हुमा खान के साथ बातचीत के दौरान मुख्य सलाहकार ने शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई, डेलवर हुसैन सईदी के फैसले के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और वर्षों की कथित न्यायेतर हत्याओं का हवाला दिया। इसके जवाब में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने मानवाधिकारों के हनन के दस्तावेजीकरण में बांग्लादेश की सहायता करने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण में संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञता की पेशकश करते हुए लुईस ने कहा, ''यह (अत्याचारों के शिकार लोगों को) मरहम लगाने और सत्य–निर्माण की एक प्रक्रिया है।'' यूनुस ने जुलाई–अगस्त 2024 के विद्रोह के बाद मानवाधिकार उल्लंघन पर संगठन की हालिया तथ्यान्वेषी रिपोर्ट की भी सराहना की, जिसके कारण अवामी लीग के 15 साल के शासन का खत्मा हो गया और हसीना पलायन कर भारत चली गईं। लुईस के अनुसार, मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क पांच मार्च को जिनेवा में मानवाधिकार परिषद के सत्र में दस्तावेज पेश करेंगे। यूनुस ने कहा, ''हमें बहुत खुशी है कि संयुक्त राष्ट्र ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है, यह समय पर हुआ।'' चर्चा में रोहिंग्या शरणार्थियों की दुर्दशा पर भी चर्चा हुई, जिसमें लुईस ने घटती अंतरराष्ट्रीय सहायता पर चिंता व्यक्त की।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस 13 से 16 मार्च तक बांग्लादेश का दौरा करेंगे। लुईस ने उम्मीद जताई कि गुतारेस की यह यात्रा शरणार्थी संकट पर विश्व का ध्यान आकर्षित करेगी। लुईस ने कहा, ''हम धन की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं।'' उन्होंने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों को खाद्य आपूर्ति और अन्य बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रति माह 150 लाख अमरीकी डॉलर की आवश्यकता है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमराम खान ने लोकतंत्र और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए वैश्विक मदद मांगी

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से अमेरिका से लोकतंत्र, मानवाधिकारों और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने की अपील की है। खान के नाम से प्रकाशित एक लेख में नेता ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी ''राजनीतिक वापसी'' के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका आर्थिक साझेदारी एवं स्थिरता को प्रोत्साहित करने और संघर्ष एवं उग्रवाद को बढ़ावा देने वाली स्थितियों को रोकने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करेगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह लेख वास्तव में खान ने लिखा है या नहीं और इसे पत्रिका तक कैसे पहुंचाया गया। खान ने पाकिस्तान में ''राजनीतिक उथल–पुथल'' और लोकतंत्र के लिए अपनी लड़ाई का लेख में जिक्र किया। उन्होंने देश में लोकतंत्र के कथित क्षरण पर गहरी चिंता व्यक्त की और वर्तमान समय को देश के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में से एक बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित कदमों के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ आरोप लगाए गए ताकि लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए उनके समर्थन को दबाया जा सके। उन्होंने दावा किया कि उनका संघर्ष व्यक्तिगत नहीं है बल्कि लोकतंत्र के व्यापक मुद्दे से जुड़ा है जिसके न केवल देश के लिए, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए भी दूरगामी परिणाम हैं। खान ने पाकिस्तान के रणनीतिक महत्व को देखते हुए इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस संकट से निपटने की तत्काल आवश्यकता को समझना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण आतंकवाद–रोधी प्रयासों से संसाधनों को हटाकर उन्हें पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध लेने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

जेलेंस्की से बहस करने पर घिरे जेडी वेंस; वर्मोंट में यूक्रेनी समर्थकों का प्रदर्शन, रूस जाने की मिली सलाह

वर्मोंट। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को अपने परिवार के साथ वर्मोंट में स्की छुट्टियों के दौरान यूक्रेन समर्थक प्रदर्शनकारियों के सामना करना पड़ा। ये विरोध व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की के साथ उनकी तीखी बहस के बाद हुआ। सैकड़ों प्रदर्शनकारी वर्मोंट के वेट्सफील्ड में इकट्ठा हुए और श्वर्मोंट यूक्रेन के साथ हैश समेत कई पोस्टर लेकर विरोध किया। इस दौरान कुछ लोगों ने यूक्रेन के झंडे भी लहराए।

वहीं इस विरोध को देखते हुए, जेडी वेंस और उनका परिवार अपनी छुट्टियों के कार्यक्रम में बदलाव किया और मौजूदा स्की रिसॉर्ट को छोड़कर कहीं और चले गए।

जेडी वेंस और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस

दरअसल, व्हाइट हाउस में शुक्रवार को जेडी वेंस और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस हुई थी। इस बैठक के दौरान वेंस ने श्ट्रंप की यूक्रेन–रूस युद्ध को कूटनीति के जरिए हल करने की योजना की तारीफ की, जिस पर जेलेंस्की भड़क गए। जेलेंस्की ने पूछा – श्आप कैसी कूटनीति की बात कर रहे हैं?श वेंस ने जवाब दिया – श्ऐसी कूटनीति जो आपके देश के विनाश को रोकेगी।श

वेंस का जेलेंस्की पर आरोप

वेंस ने यह भी आरोप लगाया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति ने 2024 अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेट्स का समर्थन किया था। जेलेंस्की ने चुनाव से पहले पेंसिल्वेनिया का दौरा कर कमला हैरिस से मुलाकात की थी, जो ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी थीं। हालांकि, वर्मोंट के रिपब्लिकन गवर्नरफिल स्कॉट ने लोगों से वेंस और उनके परिवार के प्रति आदरभाव रखने की अपील की थी, लेकिन फिर भी प्रदर्शनकारियों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रदर्शनकारी व्हाइट हाउस में हुई तीखी बहस के बाद और ज्यादा आक्रोशित हो गए और बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आए। एक प्रदर्शनकारी ने कहा – श्जो उन्होंने (वेंस) कल किया, उससे उन्होंने हद पार कर दी।

किंग चार्ल्स से मुलाकात करेंगे कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो, ट्रंप की धमकी पर होगी बातचीत

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सोमवार को किंग चार्ल्स से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी पर बातचीत होगी। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने बताया है कि वे किंग चार्ल्स के साथ मुलाकात में ट्रंप की धमकी का मुद्दा उठाएंगे। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका में मिलाने और इसे अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही थी।

कनाडा के पीएम फिलहाल ब्रिटेन दौरे पर हैं और रविवार को उन्होंने यूक्रेन मुद्दे पर यूरोपीय नेताओं की अहम बैठक में शिरकत की थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।